हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 जनवरी, 1990

खण्ड 1 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 15 जनवरी, 1990

पृश्ठ संख्या

राज्यपाल का अभिभाशण–	
(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(1)1
मुख्यमंत्री को बधाई	(1)19
भाोक प्रस्ताव	(1)1

घोशण–	
(क) अध्यक्ष द्वारा–	
(i) सदस्यों का त्याग–पत्र	(1)32
(ii) पैनल औफ चेयरमैन	(1)32
(ख) सचिव द्वारा–	
(i) राज्य द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बधी	(1)32
(ii) कांस्टिच्यूट ान (62 वां अमैंडमैंट) बिल, 1989 की रैटिफिके ान सम्बधी	(1)33
बिजकैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)33
राज्यपाल के अभिभाशण के दौरान हुए विघ्न पर अफसोस प्रकट करना	(1)35
सदन की मेज पर पु:न रखे गए/रखे गए कागज पत्र	(1)37
वि ोशधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना–	

(i) श्री हजारी लाल, पुलिस उपाधीक्षक, जीन्द के विरूद्ध	(1)38
(ii) श्री इन्द्र सिंह नैन तथा श्री भले राम भूतपूर्व एम0 एल0 एज0 के विरूद्ध	(1)39
(iii) साप्ताहिक पीग के सम्पादक, मुद्रक तथा प्रका ाक श्री डी0 आर0 चौधरी के विरूद्ध	(1)41
(iv) चंडीगढ़ पुलिस के सर्वश्री परमजीत सिंह, हैड कांस्टेबल ट्रैफिक तथा सुरजीत सिंह, कास्टेबल के विरूद्ध	(1)42
(v) श्री रघु यादक एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध (अब भूतपर्व एम0 एल0 ए0)	(1)43

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 15 जनवरी 1990

विधान सभा की बैठक हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1 चण्डीगढ में 15.42 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 18 के अनुसार मैंने आपको यह सूचाना देनी है कि कांस्टीच्यू ान के आर्टिकल 176(1) के अनुसार राज्यपाल महोदय ने आज 15 जनवरी, 1990 को 2.00 बजे बाद दोपहर हरियाणा विधान सभा के सामने ऐड्रैस देने की कृपा की है।

ऐड्रेस की एक कापी टेबल औफ दि हाउस पर रखी जाती है।

माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण,

नए वर्श में हरियाणा विधान सभा के प्रथम अधिवे ान में आप का स्वागत करते हुए मुझे अत्यन्त हर्श हो रहा है। मै आप सभी को नववर्श की हार्दिक सुभकामनाएं देता हूं।

2. वर्श 1989 समूचे दे ा, वि ोशकर हरियाणा के लिए बहुत घटनापूर्ण रहा है। हाल ही के लोक सभा चुनावों के फलस्वरूप केन्द्र में सरकार का परिवर्तन हुआ। लोकतांत्रिक ढंग से केन्द्र में नई सरकार के अस्तित्व में आने से दे ा के राजनैतिक पटल पर भाानदार बदलाव आया। हम नए प्रधान मन्त्री श्री वि वनाथ प्रताप सिंह, जो स्वच्छ सार्वजनिक जीवन तथा प्रजातान्ि. त्रक मूल्यों के अनुसार सतत अर्थिक एवं सामाजिक विकास के पक्षधर है, का अभिनन्दन करते है। चौधरी देवी लाल, जिनको दो वर्श से भी अधिक अवधि के कु ाल नेतृत्व में हमारा हरियाणा कितने ही क्षेत्रों में पूरे दे ा के लिए मार्गद र्ाक बना, अब उप प्रधान मंत्री है तथा उन्होंने कृशि, सहकारिता एवं ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाल लिया है। वे लोकतान्त्रित मूल्यों के प्रबल उपासक तथा दे ा के किसानों और गरीबों के मित्र एवं मार्गद र्ाक है। हम उन्हे हार्दिक बधाई देते है तथा उनकी नई भूमिका में सफलता की कामना करते हैं। मै नए मुख्यमंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला को भी हरियाणा की जनता की सेवार्थ सफलता के लिए भाुभकामनाएं देता हूं। हाल ही के चुनावों में परिवर्तन के पक्ष में मत व्यक्त करने के प चात भारत की जनता अभि ाासन की नई पद्वतियां तथा दे ा के सामने व्याप्त विभिन्न समस्याओं के प्रति नए दृश्टिकोण अपनाए जाने की अपेक्षा करती है। मुझे पूर्ण वि वास है कि केन्द्रीय सरकार राज्य के तीव्र विकास हेतु कामकाज में पहले से अधिक स्वतन्त्रता तथा प्रचुर मात्रा में वितीय समर्थन प्रदान करेंगी। राज्य के लोगों से

प्राप्त जनादे ा की पालना हेतु चौधरी देवी लाल मन्तिमण्डल द्वारा अपनाई तथा कार्यन्वित की गई नीतियों एवं कार्य{मों के प्रति मेरी सरकार स्वयं को पुनः समर्पित करती है।

जब कि हम बीसवीं भाताब्दी के अन्तिम द ाक में प्रवे ा करने जा रहे है, हमें यह जानकर सन्तोश होता है कि मेरी सरकार के गति ाील एवं सुदृढ उपायों के फलस्वरूप गतवर्श के दौरान राज्य का उल्लेखनीय सर्वगीण विकास हुआ है। मुझे यह व्यक्त करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि इस राज्य के लोगों ने चहुंमुखी प्रगति की दि ाा में अग्रसर होने के लिए आ ा, वि वास एवं उदे य की एकात्मकता प्रदर्ि ात की है। इसी निश्ठा एवं प्रयास के फलस्वरूप मेरी सरकार ने विभिन्न दि ााओ में उल्लेखनीय उन्नति की है जिसमें से कुछ का वर्णन मैं अब करने जा रहा हूं। मुझे वि वास है कि आने वाले दिनों में मेरी सरकार के सद्भावी तथा सतत प्रयास और अधिक विकास को बढ़ाया देंगे तथा इस प्रगति ाील राज्य को और नई ऊंचाईयों तक ले जाएंगे।

3. मै राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सरकार की उन भाानदार उपलब्धियों का उल्लेख करना चाहता हूं जिन के कारण नागरिकों को यह वि वास हो गया है कि प्र ाासन भान्ति बनाए रखने के अपने प्राथमिक कर्तव्य में किसी प्रकार की कोई कमजोरी अथवा ढील नही दिखाएगा। जनता के सहयोग तथा पुलिस की सतर्क निगरानी के फलस्वरूप भौक्षणिक,

व्यावसायिक, औद्योगिक, सामाजिक तथा राजनैतिक गतिविधियां किसी व्यवधान के बिना चलती रही। तथापि, मुझे यह बताते हुए दुःख हो रहा है कि हमारी कड़ी निगरानी के बावजूद कुछ अनमोल जान अग्रवादियों द्वारा नश्ट कर दी गई। करनाल के समीप हरियाणा राज्य परिवहन की बस में एक भाक्ति ाली बम–विस्फोट द्वारा अग्रवादियों ने तेरह निर्दोश व्यक्तियों की हत्या कर दी। उन्होंने पंचकुला–कालका सड़क पर सूरजपुर सीमेन्ट कारखाने के नजदीक पुलिस उप अधीक्षक राव रणबीर सिंह तथा उनके चालक सिपाई राम सिंह को भी मौत के घाट उतार दिया। मेरी सरकार उन सभी भाोकसंतप्त परिवारों के साथ गहरी सहानुभूति रखती है जिनके अभागे सदस्य हिंसा के ि ाकार हो गएं। मेरी सरकार कानून का भाासन बनाए रखने के नि चय रखती है तथा पुलिस को निर्दे ा दिए गए है कि वह किसी प्रकार के डर या पक्षपात के बिना ऐसी सभी परिस्थितियों से दृढ़ता से निपटे। मेरी सरकार नवे आतंकवादी गतिविधियों पर अंकु ा लगाने के लिए स ाक्त उपाय किए है। इन उपायों में गुप्तचर–तन्त का पुनरूद्वारा, पुलिस बल को स ाक्त बनाना, परिवहन तथा संचार सुविधाओं में सुधार तथा उतम प्रकार के उपकणों व अस्त– ास्त्रों का जुटाना भामिल है।

मेरी सरकार ने पुलिस बल की सेवा की परिस्थितियों में सुधार करने का दृढ नि चय किया है। पुलिस कर्मियों के लिए भवन–निर्माण सम्बन्धि कार्य की देखरेख हेतु एक पुलिस पर्याप्त धनरा ि जुटाने के लिए प्रयास किए जा रहे है।

पंजाब के हालात मेरी सरकार के लिए गम्भीर चिन्ता एवं परे ाानी का कारण बने हुए है। तथापि, केन्द्र में जनतादल की सरकार के संस्थापना ने इस समस्या के भीघ्र समाधान के लिए नई आ ा जागृत की है। स्थायी समाधान खोजने के विचार से केन्द्र में नई सरकार ने संगठित प्रयास प्रारम्भ कर दिए है और पारस्परिक विचार–विम र्ा द्वारा वर्श इस समस्या को हल करने का प्रस्ताव किया है। यह आ ाा की जाती है कि आंतकवादी गतिविधियों, जिनका कुप्रभाव हमारे राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों पर भी पड़ा है, से अब कारगर ढंग से निपटा जा सकेगा। मेरी सरकार इस पहले का स्वागत करती है तथा इस क्षेत्र में स्थायी भान्ति स्ाापित करने की दि ाा में हर सम्भव सहयोग देगी ताकि सभी लम्बित विवादों को मैत्रीपूर्ण ढंग से सुलझाया जा सके।

4. मेरी सरकार का यह प्रयास रहा है कि जनसाधारण को न्याय मिले और लोगों की ि ाकायतों का तत्परता से निवारण किया जाए। इसी दि ाा में कई प्रगति ाील पग उठा कर प्र ाासकीय ढांचे का विकेन्द्रकरण किया गया है। प्र ाासन को आम आदमी के यथासंभव निकट लाने के अभिप्राय से दो नए राजस्व मण्डल बनाए गए है जिनके मुख्यालय गुड़गांव तथा रोहतक में स्थित है। कैथल, पानीपत रिवाड़ी और यमूनानगर चार नए जिले बनाए गए है। इसके अतिरिक्त, पेहवा, गन्नौर ऐलनाबाद, असन्ध तथा कोसली नामक पांच उप–मण्डल सात तहसीलें, छः उप–तहसीलें और नए विकास खण्ड भी बनाए गए है।

मेरी सरकार प्र ाासन को संवेदन ाील तथा कारगर बनाने के लिए वचनवद्ध है। मुक्त द्वारा प्र ाासन ि विरों नाम से विख्यात पद्धति के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में नियमित रूप से ि विरों का आयोजन किया जाता है। यह एक सराहनीय कदम है, वि ोशकर ग्रमीण लोगों के लिए जिन्हें अब छोटें–छोटे कामों के लिए जिला व तहसील मुख्यालयों तक नहीं जाना पड़ता क्योंकि उनके अधिकतर काम मौके पर ही हो जाते है। जिला स्तर के सभी अधिकारियों को निर्दे ा दिए गए है कि वे नित्यप्रति अपने कार्यालयों के बाहर जनता की सुनवाई करने के साथ–साथ प्रत्येक सोमवार को प्रातः 11 से 12 बजे तक सामूहिक रूप में उपायुक्त–कार्यालयों के बाहर भी जनसाधारण की समस्याओं को सुलझाने के लिए खुला दरबार आयोजित करें।

जैसा कि आप जानते ही है कि नगरपालिकाओं के चुनाव वर्श 1987–88 में हुए थे। मेरी सरकार की मं ाा है कि जैसे–जैसे इन संस्थाओं का विकास होगा इन्हें और अधिक भाक्तियां हस्तातरित की जाएंगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के पद समाप्त कर दिए है तथा स्थानिय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को भाक्तियां पुनः सौंप दी गई है। मुझे उम्मीद है कि हमारे लोगों को अब अपने ढंग से नगरपालिकाओं का प्रबन्ध करने का अवसर प्राप्त होगा। चालू वर्श में नगरपालिकाओं को सहायता के लिये 4,25,50,000 रूपये का प्रावधान किया गया है।

5. राज्य सरकार की यह मूल कार्यनीति रही है कि विकास की गति में तीव्रता लाई जाए तथा समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिये अवसर उपलब्ध कराए जाएं। हमारी आर्थिक नीति को प्रमुख वि ोशताएं है—किसानों के लिए पैकेज रूप मं समुन्नत कृशि पद्धतियों एवं प्रोत्सहनों द्वारा उपज बढ़ाने के उदे य से कृशि का विकास बिजली एवं सिचाई की क्षमता बढ़ाकर, योजक सड़के उपलब्ध ढांचे को सुदृढ़ करना, ग्रामीण क्षेत्रों में लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास, जन सामान्य तथा वि ोशकर समाज के कमजोर वर्गों के जीवनस्तर को ऊपर उठाने के उदे य से स्वास्थ्य, ि ाक्षा तथा अन्य सामाजिक सेवाओं में सुधार, और मानव संसाधनों के और अधिक प्रभाव ाली उपयोग करने की दृश्टि से भौक्षिक एवं व्यावसायिक कार्य{मों को नई दि ाा की ओर उन्मुख करना।

6. वर्श 1988—89 के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था में अच्छा सुधार परिलक्षित हुआ है। सूलभ अनुमानों के अनुसार, 1980—81 को आधार वर्श मान कर स्थिर मूल्यों में राज्य की आय वर्श 1988—89 में 4845 करोड़ रूपये अनुमानित है जबकि वर्श 1987—88 में यह 3975 करोड़ रूपये थी, अर्थात इसमें वर्श के दौरान 21.9 प्रति ात की वृद्धि हुई है। चालू मूल्यों के आधार पर वर्श 1988—89 में राज्य की आय 8279 करोड़ रूपए अनुमानित है जबकि वर्श 1987—88 में यह 6577 करोड़ रूपये थी, अर्थात इसमें वर्श के दौरान 25.9 प्रति ात की वृद्धि हुई है।

सेक्टरवार वि लेशण से पता चलता है कि स्थिर मूल्यों (1980–81) के आधार पर प्राथमिक सेक्टर में भाुद्ध स्थानीय उत्पादन वर्श 1987–88 में 1655.48 करोड़ रूपये था जो बढ़ कर 1988–89 में 3208.52 करोड़ रूपये हो गया अर्थात इसमें 39.4 प्रति ात की वृद्धि परिलक्षित हुई। द्वितीयक सैक्टर के लिए तदनुरूपी आंकड़े क्रम ा 959.45 करोड़ रूपये तथा 1018.90 करोड़ रूपये है, अर्थात इसमें 6.2 प्रति ात की वृद्धि हुई है। त ृतीयक सेक्टर ने वर्श 1988–89 में 11.5 प्रति ात की वृद्धि द र्ाई है। राज्य की सकल आय में इसका योगदान वर्श 1987–88 में 1360.38 करोड़ रूपये से बढ़ कर वर्श 1988–89 में 1517.10 करोड़ रूपये हो गया।

1980–81 को आधार वर्श मानकर वास्तविक प्रति व्यक्ति आय वर्श 1988–89 में 3086 रूपये अनुमानित की गई है जबकि वर्श 1987–88 में यह 2586 रूपये थी। चालू मूल्यों के आधार पर प्रति/व्यक्ति आय वर्श 1988–89 में 5274 रूपये बनती है जबकि वर्श 1987–88 में यह 4278 रूपये थी।

7. सातवी पंचबर्शीय योजना (1985–90) में समग्र विकास, गरीब उन्मून्लन तथा सामजिक सेवाओं में विस्तार एवं सुधार पर बल दिया गया। सातवी योजना के तीसरे वर्श में राज्य सरकार ने वृद्धावस्था पें ान तथा बेरोजगारी भत्ता जैसे सामाजिक सुरक्षा के वि ोश उपायों का सूत्रपात किया। राज्य में निर्धन परिवारों का आवसीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उदे य से नए

वर्श में गन्दी बस्तियों के सुधार तथा मकान बनाने की विभिन्न योजनाएं आरम्भ को जाएंगी। हरियाणा आवास बोर्ड द्वारा बनाए जाने वाले मकानों मे से 70 प्रति ात मकान निम्न आय वर्गों तथा समाज के अर्थिक दृश्टि से पिछड़े लोगों को आबंटित किए जाएंगे। ग्रमीण जनता के अभावग्रस्त वर्ग की सहायता हेतु उसके कर्जे माफ करके हरियाणा प्रान्त ने एक वि ाश्ट कदम उठाया। सातवी पंचवर्शीय योजना के लिए 2900 करोड़ रूपये का परिव्यय अनुमोदित किया गया है जबकि संभावित व्यय लगभग 2577 करोड़ रूपये है। यह कमी मुख्यतया राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतनमानों में केंन्द्र के वेतनमानों के अनुरूप परि ाोधन तथा पड़ोसी राज्य पंजाब में उत्पन्न आंतकवाद के कुप्रभाव से निपटने के उदे य से पुलिस बल को स ाक्त एवं आधुनिक बनाने हेतु किए गए वि ोश उपायों के फलस्वरूप योजनेतर व्यय में वृद्धि के कारण। तथापि, व्यय में इस कमी के बावजूद कृशि, ग्रामीण विकास, ऊर्जा–उत्पादन, ि ाक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल–आपूर्ति इत्यादि के क्षेत्र में प्रमुख भौतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है।

राज्य सरकार सामाजिक सेवाओं तथा सामाजिक सुरक्षा को उच्च प्राय– मिकता देती है और इसलिये सामाजिक एवं सामूहिक सेक्टर्ज के अन्तर्गत कुल परिव्यय का 36.1 प्रति ात परिव्यय प्रस्तविक है। बिजली की नाजूक स्थिति के दृश्टिगत कुल परिव्यय का 29.4 प्रति ात इस सेक्टर के विकास हेतू प्रस्तावित किया गया है। सिचांई एवं बाढ़ नियन्त्रण के लिये कुल परिव्यय

सभी सेक्टर्ज के अन्तग्रत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए प्रस्तावित है वह कुल परिव्यय का लगभग 75 प्रति ात है।

8. कृशि हमारी अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार रहा है तथा मेरी सरकार कृशि–उत्पादन की प्रोन्नति को सर्वोच्च प्राथमिकता क्षति के बावजूद वर्श 1988–89 में खाद्यन्नों के उत्पादन में 94.83 लाख टन का नया कीर्तिमान स्ाापित हुआ जबकि लक्ष्य 84.50 लाख टन था वर्श 1987–88 के दौरान वास्तविक उत्पादन केवल 63.12 लाख टन था। इसी तरह राज्य ने 4.81 लाख टन तिलहन का उत्पादन करके 3.60 लाख टन के निर्धारित लक्ष्य को आसानी से पार कर लिया। वर्श 1988–89 के दौरान गन्ने तथा कपास का उत्पादन क्रम ाः 6.58 लाख टन (गुड़) तथा 8.45 लाख गाठें रहा। खरीफ 1989 के दौरान जुलाई तथा अगस्त के महीनों में राज्य को एक लम्बे अरसे तक सुखे का मुकाबला करना पड़ा। इससे वर्शा पर निर्भर फसलों वि ोशकर बाजरें की फसल को भारी क्षति पहुची और इसका उत्पादन निर्धारित लक्ष्य से 38 प्रति ात कम रहा। खरीफ की अन्य खाद्यान्न फसलों में सामान्य उत्पादन के बाजूद बाजरा के उत्पादन में भारी गिरवट के फलस्वरूप खरीफ खाद्यान्नों का अनुमानित उत्पादन 27. 70 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले केवल 22.26 लाख टन रहा जबकि खरीफ 1988 के दौरान वास्तविक उत्पादन 25.32 लाख टन था। चालू रखी फसल के लिए खाद्यान्नों एवं तिलहनों का उत्पादन लक्ष्य क्रम ाः 71.40 लाख टन तथा 4.50 लाख टन निर्धारित किया

गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये मेरी सरकार ने किसानों की सहायतार्थ विभिन्न उपाय किए है। पांच चुने हुए जिलों अम्बाला, करनाल, कुरूक्षेत्र, हिसार तथा सिरसा में केन्द्र सरकार के वि ोश खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत गेहूं के प्रमाणीकृण बीज, जिकसल्फेट तथा खरपतवार ना ाक रसायनों पर अनुदान देने हेतु 277.68 लाख रूपये की रा ि ा उपलब्ध कराई गई है। तथापि, राज्य सरकार ने गेंहू के बीज तथा खरपतवार ना ाक रसायनों पर अनुदान की सुविधा सचूमें राज्य में प्रदान की है। वर्श 1989 में प्रमाणीकृत बीजों, रासयनिक उर्वरकों तथा खरपतवार ना ाक दवाईयों की सुलभता एवं खपत में निरन्तर वृद्धि हुई है। अनुकूल मौसम की स्थिति में रबी फसल का खाद्यान्न–उत्पादन सम्बन्धी 71. 40 लाख टन का लक्ष्य प्राप्त होने की संभावना है। वर्श 1990–91 के लिए खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य 100 लाख अन निर्धारित किया गया है।

9. नकदी फसलो को प्रोत्याहन देने की दृश्टि से मेरी सरकार ने गन्ने का मूल्य 40 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया था जोकि दे ा में सर्वाधिक था। राज्य में तिलहन एवं दलहनों के उत्पाद को बढ़ाया देने के इरादे से, राश्ट्रीय तिलहन विकास परियोजना राश्ट्रीय तिलहन थ्रस्ट प्रोग्राम तथा राश्ट्रीय दलहन विकास परियोजना, बड़े उत्साह से क्रियान्वित की जा रही है। सूरजमूखी की खेती को लोकप्रिय बनाने के लिये प्रयास किए जा रहे है। राज्य में बागवानी तथा सब्जियों की खेती में महत्व को

पहचानते हुए सरकार ने बागवानी का अलग निदे ाालय सीापित किया है जो निकट भविश्य में कार्य करना प्रारम्भ कर देगा। देहली के इर्द–गिर्द तथा राज्य मै कुछेक केन्द्र बिन्दुओं पर फलों, सब्जियों एव प ाुधन पर आधारित पदार्थो के उत्पादन को और अधिक विकासित करने की नीयत से हार्टिकल्चर एण्ड एनीमल प्रोडक्ट्स ऑर्थारटि नामक प्राधिकरण का संस्थापना किया गया है।

हरियाणा कृशि उद्योगा निगम ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। निगम ने पहली बार धान और गेहूं के खरपतवार ना ाक रसायनों का उत्पादन भाुरू किया है। चालू वर्श में इसका कुल टर्नओवर 90 करोड़ रूपये तक होने की संभावना है जबकि गत वर्श यह केवल 13.63 करोड़ रूपय था।

भू–संरक्षण तथा भूमि विकास कार्य{मों को भी समुचित महत्व दिया गया है। अम्बाला तथा यमुनानगर जिलों के पहाड़ी क्षेत्रों के समन्वित विकास के लिए वि व बैक के सहयोग से इन्टिगरेटिड वाटर ौड प्रोग्राम (हिल्ज) नामक नई परियोजना तैयार की गई है। इस परियोजना के अन्तर्गत सात साल की उवधि 50,579 हैक्टेयर भूमि के उपचार का प्रस्ताव है।

10. राज्य में ओद्योगिक विकास भी काफी असरदार रहा है। लघु उद्योग इकाइयों की संख्या पहले ही 89,330 तक पहुंच चुकी है। अकेले वर्श 1989 के दौरान ही 3,230 इकाइयां सीापित

की गई है। बड़े तथा माध्यम पैमाने की ओद्योगिक इकाइयों की संख्या भी 402 तक पहुंच गई है। हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से संयुक्त एवं सहायता प्राप्त क्षेत्रों में 38 अन्य बड़े तथा मध्यम पैमाने के प्रौजेक्ट कार्यान्वित किए जा रहे है। निगम ने चालू वित वर्श के पहले 9 महिनों के दौरान 384 लाख रूपये के ऋण सस्वीकृत किए है। हरियाणा वितीय निगम ने भी इस अवधि में 4061.67 लाख रूपये के ऋण संस्वीकृति किए है।

दुर्भाग्यव ा करनाल तेल– ाोधक कारखाने जैसा महत्पूर्ण प्रॉजैक्ट मार्च 1987 में ि ालान्यास के प चात् से ही ज्यों का त्यों रूका पड़ा है। मेरी सरकार ने भारत सरकार के साथ यह मामला फिर उठाया है तथा हमें पूरी आ ा है कि हम इस महत्पूर्ण प्रॉजेक्ट के लिए विदे ाी सहायता प्राप्त करने में सफल हो जाऐंगे। गुड़गांव जिले के मानेसर गांव में 85 करोड़ रूपये के विनियोग से लगाने वाले वायरल वैक्सीन बनाने के एक अन्य प्रॉजेक्ट को भारत सरकार ने अपनी स्वीकृति दे दी हैं तथा इस प्रॉजेक्ट पर निकट भाविश्य में कार्य प्रारम्भ होने की उम्मीद हे। फरीदाबाद जिले के असावटी गांव में 18 करोड़ रूपये की लागत वाले आई0 ओ0 सी0 ल्यूब बलैंडिग प्लान्ट मोरनी पहाड़ी क्षेत्र में 5.40 करोड़ रूपये की लागत वाले लघु सीमेन्ट कारखाने, तथा गुड़गांव जिला के मानेसर गांव में 9 करोड़ रूपये की लागत वाली

आई0 बी0 पी0 एल0 की विस्फोटक पदार्थे बनाने वाली इकाई, की स्ाापना हेतु कारवाई प्रारम्भ की जा चुकी है।

11.उद्योग विभाग की कार्यप्रणाली का सुप्रवाही बनाने के उदे य से वर्तमान उद्योग निदे ाालय को, बड़े तथा मध्यम उद्योग निदे ालय, लघु, कुटीर एवं ग्रामोद्योग निदे ाालय तथा खान एवं भूगर्भविज्ञान निदे ालय नामक तीन गए निदे ाालयों में बाटंकर पुनर्गठित किया गया है। उद्यमियों के लिए सम्पर्क केन्द्रो की सख्यां कम से कम करने के इरादे से सभी जिलों में एकल द्वारा सेवा पद्धति अपनाई गई है जिसमें वरिश्ठ अधिकारीगण तालमेल का कार्य करते है। उन्हें, अनुदान रा ि ा प्रदान करने औद्योगिक प्लाटों का आबटन एवं हस्तातरण करने, ऋण संस्वीकृत करने तथा सभी औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण जैसे अधिकां ा मामलों का अपने ही स्तर पर निपटान करने के लिए सक्षम बनाने हेतु पर्याप्त भाक्तियां दे दी गई है। एक अप्रैल, 1988 के प चात् उत्पादन में आने वाली औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देने के उदे य से कई प्रकार के प्रोत्साहन दिए गए है। जैसे–बिकी कर में अधिकतम 9 वर्श तक की अवधि के लिए छूट अथवा स्ागिन पांच वर्श के लिए विधुत भाुल्क में छूट तथा जनरेटिग सैट्स पर चढी हुई दरो से 15 लाख रूपये तक की अनुदान रा ि ा। क्योंकि भारत सरकार ने केन्द्र द्वारा घोशित पिछड़े क्षेत्रों में पूंजीनिवे ा पर अनुदान देना बन्द कर दिया है, मेरी सरकार ने केन्द्र द्वारा तथा राज्य सरकार द्वारा घोशित सभी पिछड़े औद्योगिक क्षेत्रों में पूंजीगत निवे ा पर

25 प्रति ात अनुदान देने का निर्णय लिया है। मेरी सरकार ने राज्य में इलैक्ट्रोनिकी उद्योग को प्रोन्नत करने की दि ाा में भी कदम उठाए है। राज्य में औद्योगिक दृश्टि से पिछड़े क्षेत्रों में ऐसे उद्योगों के लिए पूंजीगत निवे ा अनुदान स्थिर पूंजी निवे ा पर 25 प्रति ात की दर से 30 लाख रूपये की सीमा तक तथा अन्य क्षेत्रों में यह अनुदान 15 प्रति ात की दर से 15 लाख रूपये की सीमा तक उपलब्ध है। बड़े तथा मध्यम पैमाने की 11 इलैक्ट्रोनिकी परियोजनाएं पाइपलाइन में है। जिनका कुल निवे ा 50 करोड़ रूपये तथा कुल अनुमानित टर्नओवर 180 करोड़ रूपये है। गुड़गांव में एक इलैक्ट्रोनिकी कम्पलैक्स सााापित करने की दि ाा में प्रयास जारी है जहां पर इलैक्ट्रोनिकी उघोग के त्वरित विकास को सुविधाजनक बनाया जाएगा। अपेक्षकृत लघु इलैक्ट्रानिक इकाइयों को सहायता देने के आ ाय से पूरी मेरी सरकार ने हरियाणा राज्य इलैक्ट्रोनिक विकास निगम द्वारा इक्विटी भागीदारी के लिए न्यूनतम सीमा को 3 करोड़ रूपये से घटाकर एक करोड़ रूपये कर दिया है।

औद्योगिक रूणावस्था की समस्या से निपटने के उदे य से बीमार इकाइयों के पुनर्जीवन एवं पुनर्स्थापन के लिए एक प्रकोश्ठ बनाया गया है। ऐसे उद्योग को राहत देने के विभिन्न उपाय किये गए है, जैसे बिक्री कर में छूट/स्थगन, विघुत भाुल्क में छूट, अधिक मात्रा में विघुत आपूर्ति तथा कई प्रकार के बकाया की वसूली को पुर्नानयत करना। राज्य में उपलब्ध खाघ–प्रक्रमण

की क्षमता के समुपयोग की सम्भावनाओं का पता लगाने के प्रयास जारी है। इस प्रयोजन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता मेंएक कार्यदल का गठन किया गया है।

12. मेरी सरकार ने उद्योगों के सतत विकास के लिए श्रमिक वर्ग सर्वतोमुखी कल्याण की अनिवार्यता को समझा है। कुल मिलाकर औद्योगिक भाान्ति कायम रखी गई है तथा प्रबन्धकों एवं श्रमिकों के पारस्परिक सम्बध भी मधुर रहे हैं। सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरों में उतरोतर परि ाोधन किया गया है। जिसके फलस्वस्प 1 जून, 1989 से अकु ाल औद्योगिक कामगारी की न्यूनतम मजदूरी 800 रूपये मासिक तथा कृशि कामगारों की न्यूनतम मजदूरी भोजन के बिना 31.80 रूपये तथा भोजन सहित 27.80 रूपये प्रतिदिन हो गई है। मजदूरी की न्यूनतम दरों को उपभोक्ता मूल्य सूचकांको से भी जोड़ा गया है और निश्प्रभावन दर 1.70 रूपये प्रति अंक है।

13. विज्ञान एवं प्रौघोगिकी के क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित अनेक नई योजनाएं भाुरू की गई है। विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग हरियाणा राज्य दूरस्थ बोध प्रयोज्यता केन्द्र तथा हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिशद् नामक दो स्वायत निकायों की स्ाापना की है। दूरस्थ बोध प्रयोज्यता केन्द्र हरियाणा कृशि वि वविद्यालय हिसार के परिसर में स्थित है। इस केन्द्र द्वारा राज्य के पांच जिलों में बंजर भूमि की पहचान करने के लिए एक परियोजना आरम्भ की गई है। इस

केन्द्र के चार जिलों करनाल, जीन्द, हिसार ताा सिरसा उपलब्ध विभिन्न प्रकार की बजंर भूमियों के मानचित्रण, लवणग्रस्त तथा जलग्रस्त भूमियों के मानीकरण एवं पर्यवेक्षण तथा वर्श 1990–91 में उपज क्षेत्र अनुमानन का कार्य भी करेगा।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सीापित विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिशद् ने आठवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान केन्द्र बिन्दु के रूप में प्रणोद क्षेत्रो का अभिनिधीकरण कर लिया है।

14. वर्श के दौरान मेरी सरकार ऊर्जा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है। विभिन्न प्रयासों के फलस्वरूप विघुत आपूति। की स्थिति मे और अधिक सुधार परिलक्षित हुआ है। वर्श के दौरान 215 लाख यूनिट प्रतिदिन की औसत आपूर्ति रही जो कि वर्श 1988–89 के दौरान 180 लाख यूनिट की औसत आपूर्ति की तुलना में 19.4 प्रति ात अधिक है। उपलब्ध ऊर्जा का अधिकां ा अर्थात 57 प्रति ात कृशि क्षेत्र को दिया गया। मेरी सरकार राज्य में बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने की आव यकता के प्रति सजग है। पानीपत ताप बिजली संयन्त में 210 मैगावाट क्षमता का एक नया यूनिट भाुरू हो गया है। इसी स्थान पर 210 मैगावाट क्षमता का एक और यूनिट सीापित करने बारे केन्द्र सरकारी अनुमति प्राप्त हो गई है। यह प्रयास किए जा रहे है कि राश्ट्रीय ताप ऊर्जा निगम 840 मैगावाट क्षमता वाले यमुनानगर ताप बिजली संयन्त्र का निश्पादनकार्य अविलम्ब प्रारम्भ करें।

पारेशण और वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया है। पलवल तथा पंचकूला में 220 के0वी0 क्षमता वाले दो, नारनौद में 132 के0 वी0 क्षमता वाला एक, तथा 33 के0 वी0 क्षमता वाले 9 उपकेन्द्र चालू किए गए है। 220 के0 वी0 क्षमता का एक उपकेन्द्र भिवानी में 132 के0वी0 क्षमता का एक–एक उपकेन्द्र कनीनाखास और हिसार छावनी में तथा 66 के0 वी0 क्षमता का एक उपकेन्द्र अधोया में निर्माण के अन्तिम चरण में है। इसके अतिरिक्त कई वर्तमान उपकेन्द्रों की क्षमता मे भी वृद्धि की गई है।

15. मेरी सरकार कृशि उत्पादन हेतु सिचाई के महत्व को पूरी तरह अनुभव करती है। अनुसार, आने वाले वर्शो में कृशि उत्पादन में प्रभाव ाली वृद्धि की प्राप्ति के लिए मेरी सरकार सिचाई सुविधाओं के विकास को उच्च प्राथमिकता देती रहेगी। सिचाई सुविधाओं का और अधिक विस्तार अब सतलुज यमुना योजक नहर के पूर्ण होने पर निर्भर करता है। इसलिए राज्य सरकार इसे भीघ्र पूर्ण करने के लिए केद्रीय सरकार पर दबाव डाल रही है। इसकी प्रगति की समीक्षा के लिए हाल ही में जल संसाधन मन्त्रालय में अनेक उच्च–स्तरीय बैठकें हुई है। नहर के निर्माण का कार्य भीघ्रता से पूरा करने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है।

राज्य में जल संसाधनों के अभाव को देखते हुए, वहन क्षतियों को कम करने तथा उनके इश्टतम उपयोग को सुनि ि चत करने के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। वि व बैक

सहायता–प्राप्त परियोजना के अन्तर्गत वर्तमान जल मार्गों का 35.1 लाख वर्ग फुट लाख वर्ग फुट क्षेत्र पक्का किया गया है जिससे कुल पक्का क्षेत्र बढ़कर 4810 लाख वर्ग फुट हो गया है। इसके अतिरिक्त खाली की 429 किलोमीटर लम्बाई को भी पक्का किया गया है जिससे कुल पक्के खालों की लम्बाई 18,500 किलोमीटर हो गई है। इस प्रकार बचाए गए पानी से और अधिक क्षेत्र को सिचिंत किया जा सकेगा।

मेरी सरकार वि ोशतौर पर यह सुनि चत करना चाहती है कि नहरों के अन्तिम छोर पर स्थित खेतों को भी पानी मिल सके। इस उदे य की प्राप्ति के लिए विभिन्न आव यक कदम पहले ही उठाए जा चुके है। नहरों तथा खालों की सफाई का काम युद्ध–स्तर पर भाुरू किया गया है। आ ा की जाती है कि इस काम को जनवरी, 1990 के अन्त तक पूरा कर लिया जाएगा।

16. मेरी सरकार, ग्रामीण निर्धनो, लघु तथा सीमान्त किसानों, खेतिहर मजदूरों, ग्रमीण ि ाल्पकारों एवं दस्तकारों तथा समाज के कमजोर वर्गों की अर्थिक स्थिति में सुधार लाने की आव यकता के प्रति जागरूक है। उन्हें अपनी आय बढ़ाने योग्य बनाने के लिए समूचे राज्य में समन्त्रित ग्रामीण विकास कार्यक्रम निरन्तर कार्यान्वित किया जाता रहा है। ग्रामीण निर्धनों को सहायता प्रदान करने के उदे य से केन्द्र तथा राज्य सरकार ने चालू वित वर्श के दौरान 1142.26 लाख रूपये का प्रावधान किया है। इस वर्श समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत

विविधीकरण करते हुए खुम्भी की खेती, मधुमक्खीपालन, रे ाम उत्पादन इत्यादि नूतन व्यवसायों के लिए भी ऋण दिया गया है। अम्बाला जिले के पिछड़े क्षेत्र मोरनी में एक अंगोरा खरगो ा पालने की स्कीम भी भुरू की गई है।

यूनिसैफ सहायता–प्राप्त कार्यक्रम के माध्यम से अम्बाला में स्वच्छता कार्यक्रम को वि ोश महत्व दिया गया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रमीण क्षेत्रों में स्वच्छता की आव यकता पर वि ोश बल दिया जाता है। अगले वित वर्श में इस कार्यक्रम को चार अन्य जिलों अर्थात करनाल, रोहतक, भिवानी तथा हिसार में भी चलाया जाएगा।

गरीबी की रेखा से नीचे जीवन व्यतीत कर रही ग्रामीण जनता की कठिनाइयों को महसूस करते हुये मेरी सरकार ने विभिन्न स्कीमों के अन्तर्गत ऋण तथा अनुदान प्राप्त करते समय जिला ग्रमीण विकास अभिकरण के पक्ष में लाभानुभोगियों द्वारा निश्पादित किए जाने वाले करारनामे पर स्टैम्प भुल्क से छूट देने का निर्णय लिया है।

अनुसूचित जातियां, पिछड़े वर्गो, महिलाओं, वृद्धों अ ाक्ल व्यक्तियों तथा समाज के अन्य दुर्बल वर्गो की अर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों में सुधार लाना मेरी सरकार की नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। विभिन्न सामान्य विकास योजनाओं के अलांवा कुछ ऐसी वि ोश योजनाए भी है जो केवल अनुसूचित

जातियों, पिछड़े वर्गों और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए ही है।

17. 65 वर्श से अधिक आयु वाले सभी पात्र व्यक्तियों को वृद्धावस्था पें ान देने की मेरी सरकार की घोशित नीति है। वर्श 1988–89 के दौरान इस स्कीम से 7,57,670 व्यक्तियों ने लाभ उठाया तथा यह सम्भावना है कि चालू वित वर्श के दौरान 8,36,000 व्यक्ति इससे लाभान्वित होगे। इस स्कीम पर वर्श 1988–89 में 7,954.30 लाख रूपये खर्च किए गए जबकि चालू वित वर्श में यह खर्च 10,540 लाख रूपये तक होने की सम्भावना है। विकलागों, निराश्रित महिलाओं तथा विधवाओं के पें ान सम्बन्धी नियमों को उदार बनाते हुए पात्रता के लिए आय सीमा को 50 रूपये मासिक से बढ़कर 200 रूपये मासिक कर दिया गया है। मासिक पें ान की दरें भी 50 रूपये से बढ़ाकर 75 रूपये प्रति व्यक्ति कर दी गई है। विकलांगों के लिए 21 वर्श की न्यूनतम आयु सीमा की भार्ते को समाप्त कर दिया गया है और अब विकंलाग व्यक्ति 65 वर्श की आयु तक इस पे ान के पात्र होगे। मुझे यह बताते हुए हर्श की अनुभति हो रही है कि मेरी सरकार ने हाल ही में सभी सरकारी नौकरियों में प्रारम्भिक भर्ती के समय विकलांगों के लिए 3 प्रति ात पद आरक्षित करने का निर्णय लिया है।

बाल कल्याण के प्रति मेरी सरकार की वि ोश अभिरूचि है तथा यह बच्चों के हितों को देखभाल के लिए हर

सम्भ्व प्रयत्न करेगी। समेकित बाल विकास सेवाएं कार्यक्रम के अन्तर्गत सेवाओं का ऐसा पैकेज उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है जिसमें पूरक पोशण, प्रतिरक्षण, स्वास्थ्य जांच और पराम र्ी सेवाएं, स्वास्थ्य ि ाक्षा तथा पूर्व स्कूल ि ाक्षा सम्मिखित है। राज्य में इस समय 91 परियोजनाएं चल रही है जिसमें 6,50,000 ि ा ु लाभ उठा रहे है तथा यह संख्या वर्श 1990–91 में बढ़ कर 7,91,952 हो जाने की सम्भावना है।

18. बेरोजगार युंवाओं का कल्याण मेरी सरकार की नीति का महत्वपूर्ण पहलू होगा। हमारी प्रगति ील योजनाओं में से एक योजना के अन्तर्गत उन बेरोजगार युवकों को बेरोजगारी भता दिया जा रहा है जो रोजगार कार्यलयों में पिछले दो वर्शे से पंजीकृत है। आरम्भ में यह योजना केवल स्नातकों तथ स्नातकोतर युवकों के लिए ही थी। किन्तु एक जुलाई, 1989 से दसवीं/उच्चतर माध्यमिक/वरिश्ठ माध्यमिक पास युवकों को भी इस योजना के अन्तर्गत लाभाविन्वत किया जा रहा है। इस तहत दसवीं/उच्चतर माध्यमिक/वरिश्ठ माध्यमिक पास तथा स्नातक/स्नातकोतर युवाओ को क्रम ाः 50 रूपये, 75 रूपये तथा 100 रूपये मासिक को दर से बेजोगारी भता दिया जाता है जिसका भुगतान हर तिमाही किया जाता है। बेरोजगारी भता देने के लिए चालू वित वर्श के बजट में 6 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। सरकार ने बेरोजगारी भता प्राप्त करने वाले

स्नातको और स्नातकोतर युवकों द्वारा दिए जाने वाले भापथ–पत्रों पर स्टैम्प भाुल्क में छूट दे दी है।

मेरी सरकार ने ग्रमीण क्षेत्रों में रहने वाले युवकों तथा युवतियों की सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिये अधिकतम आयु सीमा को 5 वर्श और बढ़ाने का निर्णय लेकर हाल ही में एक और उल्लेखनीय कदम उठाया है। ऐसी इसलिए किया गया है कि ग्रांमीण क्षेत्रो मैं बच्चे औपचारित ि ाक्षा अपेक्षाकृत बड़ी उम्र में प्रारम्भ करते है।

19. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा की गई सेवाओं की कदर करते हुए स ास्त्र सेनाओं के भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के पूनर्वास के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। चालू वित वर्श में 4.40 करोड़ रूपये की रा ि ा राज्य के बजट में से खर्च की जा रही है और सैनिक परिवार भवनों के अनुसक्षण के लिए सहायता–अनुदान के रूप में 32 लाख रूपये रखे गए है। इसके अतिरिक्त 92.5 लाख रूपये की रा ि ा समामेलित निधी में से तथा लगभग 22 लाख रूपये की रा ि ा प्रतिरक्षा एवं सुरक्षा राहत निधी से खर्च की जा रही है।

मेरी सरकार ने श्री लंका में भारतीय भाान्ति सेना मि ान में मारे गये। अन्य–रैको के परिवारों को अनुग्रह अनुदान के रूप में 1,60,000 रूपये की रा ि ा प्रदान की । वर्श 1989 में भूतपूर्व सैनिको के बच्चों के व्यवसाय सम्बन्धी मागे द ान की हेतु

एक योजना भुरू की गई। सैनिक स्कूल कुंजपूरा दो मास की अवधि का प्र ि क्षण देने का निर्णय भी लिया गया है। और छात्रों को निः ुल्क भोजन और आवास लेखन सामग्री तथा पुस्तको की सुविधा प्रदान की जाएगी। सैनिक स्कूल कुंजपुरा के छात्रों के आहार भते में भी वृ द्धि कर दी गई है।

20. स्वास्थ्य देखभाल को मानव–संसाधन विकास का अनिवार्य अंग मानते हुए मेरी सरकार ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं सुधार हेतु वि ोशकर ग्रमीण तथा भााहरी निर्धनों के लिये, सतत प्रयास किए है। मार्च 1990 के अन्त तक राज्य में 2361 उप स्वास्थ्य केन्द्रों, 394 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो तथा 51 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो की सेवाएं उपलब्ध होंगी जिनमें से 161 उपकेन्द्र, 61 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केवल चालू वित वर्श में खोले जांएगे। मुझे यह बताते हुए सुखद अनुभूति हो रही है कि परिवार कल्याण कार्यक्रम माता एवं ि ा ुं स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम, वि वव्यापक प्रतिरक्षण कार्यक्रम राश्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम राश्ट्रीय अन्धता नियन्तण कार्यक्रम इत्यादि राश्ट्रीय कार्य{मो को कार्यान्वयत करने में हरियाणा, दे ा के अग्रणी राज्यों मे से एक है।

चिकित्सा महाविधालय एवं अस्पताल रोतहक का आपात् चिकित्सा विभाग, जो पहले केवल पराम र्ी सेवा ही प्रदान कर रहा था, को अब एक पूर्ण विकसित विभाग बना दिया गया है और

उसके अपने वार्ड में रेडियोलोजी तथा रोग विशयक अनुसन्धान सहित चिकित्सा की जाती है तथा आपातकालीन वार्ड में दाखिल गम्भीर रूप से बीमार/घायल सभी रोगियों को निः ुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जाती है। आगामी वित्त वर्श में ह्रदय रोग सम्बन्धी वि ाश्अ चिकित्सा एवं ह्रदय की भाल्य चिकित्सा प्रारम्भ करने का भी प्रस्ताव है। आने वाले साल में जापान की सहायता से कैटस्वैन की सुविधा जुटाने को भी सम्भावना है, ताकि रोगियों को विभिन्न प्रकार के जटिल अनुसन्धानों के लिए दिल्ली न भेजना पड़े।

21. मेरी सरकार हरियाणावासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करती है। यह बड़े दुःख की बात है कि राज्य के गठन के 23 वर्श प चात् भी 1000 से भी अधिक गांवों के लोग इस अनिवार्य सुविधा से वंचित है। मेरी सरकार यह प्रयत्न करेगी कि इस कार्य में तेजी लाई जाए तथा 31 दिसम्बर, 1990 से पूर्व राज्य के सभी गांवों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करान के लिए एक द्रुत कार्यक्रम चलाया जाए। अपने सभी गांवों को ऐसी सुविधा देने वाला हरियाणा दे ा का प्रथम राज्य होगा। यह अनुमान है कि इस द्रुत कार्यक्रम के लिए 50 करोड़ रूपए के परिव्यय की आव यकता पड़ेगी। मेरी सरकार भाहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति तथा भूमिगत मल–निकास सुविधाओं की द ाा सुधारने के लिए भी बराबर उत्सुक है। वर्श 1990–91 में इस काम के लिए अनंतिम तौर पर लगभग 14 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। राज्य के सभी भाहरी क्षेत्रों में

पेय जल सुविधाएं पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है जबकि मल निकासकी सुविधा कवल 37 कस्बों में ही प्राप्त है। वर्श 1990–91 में एक अन्य कस्बे को मल निकास सुविधा के अन्तर्गत लाने का प्रस्ताव है।

22. आम आदमी को ि ाक्षा प्रदान करना सरकार का दायित्व है तथा मुझे यह कहते हुए खु ाी है कि मेरी सरकार ने अपने इस दायित्व को बखूबी निभाया है। कुछेक बस्तियों को छोड़ कर लगभग सभी गांवों में प्राथमिक ि ाक्षा की सुविधाएं उपलब्ध ह। यहां तक कि माध्यमिक तथा उच्च ि ाक्षा के लिए भी किसी बच्चे को अधिक दूर। नही जाना पड़ता कयोंकि राज्य में ऐसे विद्यालय 2–3 किलोमीटर की परिधि में ही स्थित है। सार्वभौमिक प्रारम्भिक ि ाक्षा के उदे् य की प्राप्ति तथा प्राथमिक ि ाक्षा के कारगार प्रबन्ध हेतु प्राथमिक ि ाक्षा एक पृथक् निदे ाालय बनाया गया है। लड़को के 6 से 11 वर्श के आयु वर्ग में सार्वभौमिक ि ाक्षा का लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। तथापि, लड़कियों से सबंधित यह उपलब्धि अभी 90 प्रति ात है। महिला ि ाक्षा को बढ़ावा देने के लिए सांतवी पंचवर्शीय योजना के पहले चार वर्शो के दौरान 400 प्रामिक विद्यालय खोले गए तथा चालू वित वर्श के दौरान 100 और विद्यालय खोले जाने का लक्ष्य है। वर्श 1989–90 के दौरान 160 प्राथमिक, 125 माध्यमिक तथा 30 उच्च विद्यालयों को स्तरोन्नत करके उन्हे क्रम ाः माध्यमिक, उच्च तथा वरिश्ठ माध्यमिक बना दिया गया है। ि ाक्षा की 10+2 प्रणाली की सुविधा

117 महाविद्याालयों और 231 विद्यालयों में उपलब्ध है। गुड़गांव तथा सोनीपत में दो जिला ि ाक्षा एवं प्रि ाक्षण संस्थानों ने काम करना भाुरू कर दिया है। ग्रमीण ि ाक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए 9 नवोदय विद्यालयों में भी ि ाक्षण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। वर्तमान विद्यालय भवनों की स्थाति में सुधार तथा नए भवनों के निर्माण कार्य हेतु यथेश्ट प्रयास किए जा रहे है। नौवें वित आयोग द्वारा संस्तुत 4.88 करोड़ रूपए के वि ोश अनुदान से प्राथमिक पाठ ाालाओं में 976 कमरों का निर्माण किया जाएगा। स्कूल न जाने वाले बच्चे को आकर्शित करने के विचार से सरकार ने अनुसूचित जाातियों तथा समाज के कमजोर वर्गो के बच्चों को लेखन–सामग्री, निः ाुल्क वार्दियां और उपस्थिति पुसस्कार जैसे कई प्रोत्साहन दिए है। वर्श के दौरान विद्यालयों में घुमन्तु कबीलों के 12,000 बच्चे दाखिल किए गए और उन्हें एक वर्श में 240 दिन तक के लिए एक रूपया प्रति बच्चा प्रति दिन के हिसाब से उपस्थिति भता देकर प्रेरित किया जा रहा है। आगमी वित वर्श में 22,000 बच्चों को यह लाभ पहुंचाने को प्रस्ताव हैै।

23. उच्चतर ि ाक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। चालू भौक्षणिक सत्र में महाविद्यालयों में कुल छात्र संख्या बढ़कर 1,24,990 हो गई जबकि वर्श 1966 में यह केवल 29,201 थी। महाविद्यालयों की संख्या में अब बढ़कर 133 हो गई है जो 1966 मात्र 45 थी। सिरसा, करनाल तथा महम के महाविद्यालयों में स्नातकोतर कक्षाएं प्रारम्भ की गई है एवं चार महाविद्यायलों में नए

विशय भाुरू किए गए है। मुझे यह उल्लेख करते हुए अत्यधिक हर्श हो रहा है कि उतरी भारत में हरियाणा पहला ऐसा प्रान्त है जिसने पुस्तकालय आन्दोलन को प्रेरणा देने के आ ाय से सार्वजनिक पुस्तकालय आधिनियम बनाया है।

24. सरकार 135 संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न अभियान्त्रिकी तथा गैर–अभियान्त्रिकी व्यवसायों में प्रमाण–पत्र स्तर का प्र ि ाक्षण प्रदान कर रही है। चालू वर्श में यमुनानागर तथा गुड़गांव में केवल अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए दो यूनिट प्रारम्भ किए गए है। 65 व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थानों में वसायिक ि ाक्षा दी जा रही है। गुड़गांव में राज्य व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान सीापित करने का प्रस्ताव है। आगामी वर्श में महिलाओं के लिए भी दो अतिरिख्त औद्योगिक प्र ि ाक्षण सस्थान खोलने का प्रस्ताव है। हिसार में एक इंजीनियरिंग कालेज खोलना प्रस्तावित है जिसके के लिए अखिल भारतीय तकनीकी ि ाक्षा परिशद् का अनुमोदन भीाघ्र ही प्राप्त होने की आ ाा है। जिला फरीदाबाद के गांव उटावड़ में राजकीय पोलिटैक्निक खोलने के लिये निर्माण कार्य प्रगति पर है। सरकार ने फरीदाबाद में महिलाओं के लिए एक पौलिटैक्निक, हिसार में एक इजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी संस्थान तथा नारनौल में एक राजकीय पौलिटैक्निक, सीापित करने का भी निर्माण लिया है। मेरी सरकार तकनीकी तथा व्यावसायिक ि ाक्षा के क्षेत्र मे अधिकाधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। यह सुनि ि चत करने

के लिए वि ोश ध्यान दिया जाएगा कि युवको तथा युवतियों को इस प्रकार का प्र ि ाक्षण दिया जाए कि वे विभिन्न व्यवसायों के योग्य बन सकें और विविध क्षे त्रों में रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकें।

25. खेल–कूद महत्व बारे कुछ कहने की आव यकता नही है। यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि राज्य के बहुत से युवकों तथा युवतियों ने खेल–कूद के क्षेत्र में सराहनीय प्रद र्न किया है। मैं हरियाणा योग दल का वि ोश रूप उल्लेख करना चाहता हूं जिसने प ि चमी बंगाल के हुगली जिला में भद्रे वर नामक स्थान पर 27 से 30 दिसम्बर, 1989 तक आयोजित राश्ट्रीय योग प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेरी सरकार समस्त राज्य में पर्याप्त खेलकूद सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए वचनबद्ध है। राज्य में पहली बार 11 खलीफो को 200 रूपय मासिक दर से मानदेय के रूप में प्रात्साहन दिया गया है तथा कु ती को राज्य खेल घोशित किया गया है। मेरी सरकार का महम में अन्तराश्ट्रीय स्तर का बहुदे यीय खेल कम्पलैक्स स्ाापित करने का प्रस्ताव है जिस पर 4 करोड़ रूपय की लागत आने की संभावना है तथा यह उम्मीद है कि इस परियोजना के लिए केन्द्रीय सरकार 2 करोड़ का अनुदान देगी।

26. मेरी सरकार ने राज्य में सहकारिता आन्दोलन का प्रबल बनाने के लिए वि ोश जोर दिया है। इस समय सहकारी समितियों के 27 लाख से अधिक सदस्यों को 11,000 समितियों के

माध्यम से ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। औसतन, राज्य का हर छठा व्यक्ति किसी न किसी सहकारी समिति से सम्बद्ध है। वर्श 1988–89 में 251 करोड़ रूपए के लक्ष्य की तुलना में कृशि तथा गैर कृशि प्रयोजनों के लिए मिनी बैंक के माध्यम से 350 करोड़ रूपए में भी अधिक के ऋण उपलब्ध कराए गए। इनमें से ग्रामीण दस्तकारों, खेतिहर मजदूरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में गैर कृशि गतिविधीयों में कार्यरत अन्य लोगों को क्रमण 9.75 करोड़, 7.4 करोड़ तथा 15 करोड़ रूपए के ऋण प्रदान किए गए। अगले वर्श के लिए 362 करोड़ रूपये का लक्ष्य प्रस्तावित है। राज्य में 73 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैक कार्य कर रहे है जिन्होंने अपने 27,700 सदस्यों को 38.2 करोड़ रूपय के दीर्घवधि ऋण ट्रैक्अरों, नलकूपों इत्यदि विविध कृशि प्रयोजनों हेतु दिए है। इस वर्श 40 करोड़ रूपए के ऋण दिए जाएंगे।

सरकारी क्षेत्र में 7 चीनी मिले कार्य कर रही है। जिनका कार्य उत्कृश्ट कोटि का रहा है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कम निस्सारण वाले अंचलों की मिलों में भााहबाद तथा सोनीपत की चीनी मिलों ने पहली बार दे ा में क्रमण प्रथम तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया है जो राज्य के लिए बड़े गर्व की बात है। भााहबाद तथा सोनीपत की चीनी मिलों का क्षमता–उपयोग क्रम ाः 119 तथा 111 प्रति ात था। सभी सात चीनी मिलों का औसत क्षमता–उपयोग 104.5 प्रति ात था। राज्य की गन्ना–मूल्य नीति समूचे दे ा के लिए अनुकरणीय सिद्ध हुई

है। वर्श 1985 के दौरान 5.6 करोड़ रूपए की हानि की तुलना में गत वर्श सातों चीनी मिलों को 5.56 करोड़ रूपय का लाभ हुआ। कैथल, भूना और महम में तीन नई सहकारी चीनी मिलें सिाापित की जा रही है जिनके अगले वर्श चालू हो जाने की संभावना है। सहकारी क्षेत्र में और अधिक चीनी मिलें लगाने हेतु साध्यता–अध्ययन किए जा रहे है।

सहकारी संस्थओं ने, एक ओर किसानों को उनकी उपज के लिए आकर्शक मूल्य सुनि ि चत करा कर तथा दूसरी और उन्हे उचित मूल्यों पर कृशि–निवे ान उपलब्ध करा कर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हैफेड तथा 72 विपणन समितियो के माध्यम से वर्श 1988–89 के दौरान 140 करोड़ रूपए की कृशि उपज का व्यापार किया गया और 2.42 लाख टन उर्वरक सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराए गए। इस वर्श के लिए उर्वरकों का लक्ष्य 2.75 लाख टन है। इसके साथ–साथ हैफेड, कृशि पर आधारित उद्योगों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस वर्श जाटूसाना में एक बारले माल्ट संयन्त्र चालू किया गया जिससे उस क्षेत्र के जो–उत्पादकों को लाभ पहुंचेगा। एन0सी0डी0सी0 IV परियोजना के अन्तयोजना के अन्तर्गत कृशि पर आधारित अनेक इकाइयां सिाापित करने का प्रस्ताव है।

27. राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुप्रवाही बनाया गया है। इस समय समूचे राज्य में आव यक वस्तुओं का वितरण 6520 उचित मूल्य की दुकानो (4494 ग्रामीण क्षेत्रों में तथा

2026 भाहरी क्षेत्रों में) के माध्यम से किया जा रहा है। उचित मूल्य की दुकानें इस ढंग से खोली गई हे कि किसी भी उप भोक्ता की को नियान्तित आव यक वसतुएं खरीदने के लिए 2 किलोमीटर से अधिक न चलना पड़े। वर्श 1989–90 के दौरान नियान्तित आव यक वस्तुओं की आपूर्ति की स्थिति संतोशप्रद रही है। राज्य सरकार ने आव यक वस्तुओं की कीमतों तथा उपलभ्यता के पर्यवेक्षण के लिए राज्य खाद्य सलाहकार समिति तथा जिला एवं उपमण्डल स्तर पर भी खाद्य सलाहकार समितियां गठित की है। उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार ने उपभोक्ता सरक्षण अधिनियम 1986 को अपना लिया है तथा उसके अधीन विभिन्न निकाय गाठित कर दिए है। सेवारत जिला तथा सत्र न्यायधी ाों की अध्यक्षता में हिसार और अम्बाला में दो जिला ि ाकायत निवारण फोरम तथा उच्च न्यायालय क सेवानिवृत न्यायाधी ा की अध्यक्षता में राज्य आयोग का गठन किया गया है।

28. आवकारी नीति में हाल ही में किए गए परिवर्तन मेरी सरकार की प्रगति ाील नीतियों का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। सीमेन्ट को छोड़कर अनुसूची क की सभी वस्तुओं पर बिकी कर की दर 12 प्रति ात से घटा कर 10 प्रति ात कर दी गई। कम्बालों, खण्डसारी और बूरा को बिकी कर से पूर्ण छूट दी गई ह। गेहूं से बने पदार्थे पर बिकी कर की दर हरियाणा सामान्य बिकी कर अधिनियम के अधीन 4 प्रति ात से घटा कर 3 प्रति ात और केन्द्रीय बिकी कर अधिनियम के अधीन 4 प्रति ात

से घटाकर 2 प्रति ात कर दी गई है। दूध से बने पदार्थो पर केन्द्रीय बिकी कर की दर सी/डी फार्म के विरूद्ध 4 प्रति ात से घटा कर एक प्रति ात कर दी गई है। यद्यपि आबकारी एवं कराधान विभाग का मुख्य कार्य राजस्व एकत्र करना है फिर भी इस विभाग ने व्यापार तथा उद्योग की असली कठिनाइयों की कभी भी उपेक्षा नही की। नवम्बर 1989 तक वास्तविक अर्जित राजस्व 477.88 करोड़ रूपए था जबकि गत वर्श के दौरान इसी अवधि में यह रा ि ा 413.82 करोड़ रूपय थी, अर्थात इसमें 15.5 प्रति ात की वृद्धि परिलक्षित हुई है।

29. मै अल्प–बचतों के बारे में सरकार द्वारा किए गए प्र ांसनीय कार्य का उल्लेख करना चाहता हूं। अल्प–बचतें न केवल योजना संसाधनों में संवर्धन के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक एवं अधिक कार्यक्रम है अपितु मुद्रा स्फीति विरोधी उपाय भी है। मितव्ययता के प्रति प्रवृति सराहनीय रही है और दीर्घवधि बचत योजना में जमा होने वाली रा ि ा में निरन्तर वृद्धि हो रही है। सांतवी पंचवर्शीय योजना के प्रथम वर्श अर्थात 1985–86 में 98.04 करोड़ रूपय दीर्घावधि बचत योजना में जमा किए गए थे जबकि 1988–89 में यह रा ि ा बढ़कर 231.07 करोड़ रूपय हो गई और राज्य सरकार को इसके फलस्वरूप भारत सरकार से बढ़ी हुई ऋण की रा ि ा का लाभ पहुंचा है। अल्प–बचतों में 1989–90 के दौरान जमा की गई रा ि ा वर्श 1988–89 की जमा रा ि ा की अपेक्षा काफी अधिक है जिससे स्पश्ट होता है कि

हरियाणावासी अपने भविश्य के लिए बचत करने को उत्सुक है। मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि वे राज्य एवं समाज के हित मे अल्प–बचत आन्दोलन को अपना सक्रिय समर्थन प्रदान करे।

30 हरियाणा राज्य परिवहन को दे ा के सर्वोतम परिवहन उपक्रमों में गिना जाता है। पिछले 23 वर्शो मे बसों की संख्या जो 1–11–1966 को 475 थी, धीरे–धीरे बढ़ कर 30–11–89 को 3,382 तक पहुंच गई। डिपुओं की संख्या बढ़कर 16 तथा उप–डिपुओं की संख्या 19 हो गई है। विभागों ने इस क्षेत्र में बेहतर परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के मन्तव्य से कुछ और डिपो खोलने का निर्माय किया है।

इस समय हरियाणा राज्य परिवहन अपनी बस सेवाएं 2,000 से अधिक आन्तरिक और अन्तर्राज्यीय मार्गो पर चला रहा है तथा ये बसे प्रतिदिन 10 लाख किलोमीटर की दूरी तय करती है और इनमें लगभग 15 लाख यात्री करते हैै। प्रति वाहन औसत दैनिक अपयोग 300 किलोमीटर से अधिक है। 30 नवम्बर 1989 तक 99 नई बसें और खरीदी गई है तथा 273 बसों को बदल दिया गया है। चालू वर्श के दौरान 31–3–1990 तक 200 बसें और खरीदने तथा 387 बसों को बदलने का प्रस्ताव है। अगले वित वर्श में 313 पुरानी बसों का बदलने तथा 128 बसें और बढ़ाने का प्रस्ताव है। चालू वर्श में 30–11–89 तक हरियाणा

रोडवेज इंजिनियरिंग कारपोरे ान ने 474 बसों का कार्य निर्माण किया।

चालू वर्श के दौरान विभिन्न स्कीमों जैसे बसों की खरीद, बस अड्डो का निर्माण कार्य ााली का अधुनिकीकरण, मरम्मत तथा अनुरक्षण आदि के लिए 16 करोड़ रूपए का परि ाोधित योजनागत प्रावधान किया गया है। आगामी वर्श के दौरान इस प्रयोजन के लिए अनंतिम तौर पर 18 करोड़ रूपए का प्रावधान प्रस्तावित है

31. बढ़ते हुंए पर्यटक आवागमन की आव यक्ताओं को पूरा करने के लिए सांतवीं योजना अवधि के दौरान पर्यअकों के लिए आवास सुविधाओं में बड़े पैमाने पर विस्तार किया गया है। कमरों तथा बिस्तरो की संख्या बढ़ कर अब क्रम ाः 484 व 1,023 हो गई है। फरीदाबाद में एक नया गौल्फ मैदान तथा दमदमा में एक नया पर्यटक केन्द्र चालू किया गया है। महम में चौबीसी–का–चबूतरा नाम ऐतिहासिक सील पर एक रेस्तरां खोल दिया था गया है तथा एक स्टेडियम एवं पंचयायत घर का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने वाला है। इन सुविधाओ मे क्षेत्र के ग्रमीण लोगों का मनोरंजन होगा। अगले वर्श के लिए एक अन्य प्रतिश्ठित परियोजना दमादमा के निकट निर्माणधीन मनोरंजन पार्क तथा आसाखेड़ा में संगीतमय फब्बारे का संस्थापन है।

हरियाणा पर्यटन को बस अड्डों पर खान–पान की व्यवस्था करने का अतिरिक्त उतरदायित्व सौंपा गया है और यह सुविधा बल्लगढ़, पानीपत, सिरस, हिसार और पिपली के बस अड्डों पर भी उपलब्ध हो जाएगी। गत वर्शों की भांति वर्श 1989 सूरजकुण्ड में ि ाल्प मेला 1 से 15 फरवरी तक आयोजित किया गया जहां हमारे दे ा के सुप्रसिद्ध ि ाल्पकारों ने मेला देखने आए भारी जनसमूह के सामने दस्तकारी परम्परागत ि ाल्पकलाओं को प्रद र्ान किया। हरियाणा में आने वाले पर्यअकों निरन्तर बढ़ती हुई संख्या की जरूरतों को पूरी करने के लिए वर्श 1990–91 के दौरान राज्य में पर्यटन को प्रोन्नत करने की प्रक्रिया को तीव्रतर किया जाएगा तथा इसके लिए 250 लाख रूपय की रा ि ा प्रस्तावित है। इसके अलावा केन्द्रीय सैक्टर कार्यक्रम क अन्तर्गत कुंछ अन्य परियोजनाओं के स्वीकृत होने की भी उम्मीद है हरियाणा पर्यटन अन्य राज्यों के पर्यटन निगमों की उपलब्धियों सें बहुत आगे निकलते हुई नई ऊंचाइयों को छूने जा रहा है। हरियाणा में पर्यअकों को आवागमन दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। वर्श 1989 के दौरान लगभग 45 लाख पर्यटक हमारे पर्यटन–केन्द्रो में पधारे तथा अगले वित वर्श में यह संख्या 50 लाख तक पहुंच जाने की संभावना है।

32. लोक सम्पर्क विभाग विभिन्न माध्यमों द्वारा विविध विशयों की जानकारी देकर जनता तथा सरकार की सेवा करता रहा है। यह विभाग सरकार की नीतियों तथा कार्य{मों के प्रक ान

के दायित्व को भी निभा रहा है। पूरे राज्य तथा दे ा के अन्य भागों में इसने अपने 146 प्रका ानों की 20.35 लाख प्रतियां वितरित की। इसी विभाग की गतिविधियों को एक उल्लेखनीय वि ोशता यह रही है कि दिसम्बर, 1989 में दिल्ली में आयोजित अन्तर्राश्ट्रीय औद्योगिक व्यापार मेले में हरियाणा मण्डल को सर्वश्रेश्ठ घोशित किया गया है।

33. माननीय सदस्यगण, मैने सामान्य रूप से विभिन्न विशयों पर अपनी सरकार का नीति संबंधी परिप्रेक्ष्य संक्षेप में आपके सम्मुख प्रस्तुत किया है। इस स्थिति में यह अपरिहार्य था क्योंकि वार्शिक योजना को अभी अन्तिम रूप नही दिया जा सका है। मेरी सरकार महसूस करती है कि इस अभिभाशण में व्यक्त मुदे इस गरिमासम्पन्न सदन में परिचर्चा का उपयुक्त आधार बनेंगे। आपके विचार–विम र्ा से मार्गद र्ान प्राप्त करके वर्श 1990–91 का बजट प्रतिपादित करके उपयुक्त समय पर प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

वर्तमान अधिवे ान के दौरान आप महत्वपूर्ण मामलों पर विचार करेंगे। मुझे आ ाा ही नहीं अपितु पूर्ण वि वास है कि जनसाधरण के कल्याण का लक्ष्य ही आपके विचार–विम र्ा का मार्गद र्ाक होगा। मै आप की सफलता की कामना करता हू

यह हिन्द

मुख्यमंत्री को बधाई

डा0 मंगल सैन (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, मै एक सबमि ान करना चाहता हूं। आज इस हाउस में पहले दिन गवर्नर साहब पधारे और चौधरी ओम प्रका ा जी मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी सीट पर विराजमान है। मै अपनी और सदन की और से उनको बधाई देता हूं

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, a Minister will make obituary references.

मुख्यमंत्री (चौधरी ओम प्रका ा चौटाल): माननीय अध्यक्ष महोदय, और सम्मनित सदस्यगण, पहले सत्र और इस सत्र के अर्से के बीच कुछ महानुभाव स्वर्ग सिधार गए है और हमारे हाउस के ही कुछ व्यक्ति आज हमारे बीच में नही रहे। कुछ लोक सभा के सदस्य भी ओर दूसरे राजनैतिक लोग भी हमारे बीच से चले गए है। मै उनके लिए ओबिचुअरी रैजोल्यू ान पे ा करता हूं।

कुंवर चन्द्र प्रताप नारायण सिंह, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री कुंवर चन्द्र प्रताप नारायण सिंह की 26 नवम्बर 1989 को हुई दु:ख हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

कुंवर चन्द्र प्रताप नारायण सिंह का जन्म 28 मार्च, 1935 में पड़रौना, उतर प्रदे ा में हुआ। उन्होने ग्रमीणों और

दलितों के उत्थान के लिए कार्य किया। वह 1969–1974 के दौरान उतर प्रदे ा विधान सभा के सदस्य रहें। वह 1980 और 1984 में लोक सभा के सदस्य चुने गए। वह 1980–1982 के दौरान केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्यगिकी राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवगंत नेता के भाोक–सतंप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

पंडित श्री राम भार्मा, संयुक्त पजांब के भूतपूर्व ंमंत्री

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री पण्डि श्री राम भार्मा के 7 अक्तुबर 1989 को हुए दुःखद निधान पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

पंडित श्री राम भार्मा का जन्म पहली अक्तुबर, 1889 को झज्जर जिला रोहतक में हुआ। उन्होनें स्वतन्त्रता आन्दोलन और असहयोग आन्दोलन में भाग लिया वह 8 वर्श जेल में रहे। वह 1946 में संविधान सभा के लिए चुने गए। 1952 में वह सच्चर मंत्रिमण्डल में मंत्री बने।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक तथा एक स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरदार प्यारा सिंह, भूतपूर्व राज्य मन्त्री, हरियाणा

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री सरदार प्यारा सिंह के पहली जनवरी,1990 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

सरदार प्यारा सिंह का जन्म 1917 को किला धर्म सिंह, जिला भोखूपुरा, पाकिस्तान में हुआ। वह 1937 में कांग्रेस में भाामिल हुए। वह 1939 से 1947 के दौरान स्वतन्त्रता संघर्श में भाग लेने के कारण तीन बार जेल गए। वह 1962 में पंजाब विधान सभा केऔर 1968,1972, तथा 1982 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1969 से 1972 तक हरियाणा के संसदीय सचिव/उपमंत्री रहे। वह 1984–85 के दौरान स्थानीय भाासन तथा आवास राज्य मंत्री और 1985–87 के दौरान सहकारिता राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासन तथा एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचितय हो गया है।

यहसदन दिवगत नेता के भाोक–सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कंवर विजयपाल सिंह, भूतपूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष, कंवर विजयपाल सिंह के पहली नबम्बर, 1989 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

कवंर विजयपाल सिंह का जन्म अलीगढ़, उतर प्रदे ा में हुआ। वह 1977 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1977 में हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष बने।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासन तथाएक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिंवगत नेता के भाोक–सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री जगदेव सिंह खुडिया, लोक सभा सदस्य

यह सदन लोक सभा सदस्य, श्री जगदेव सिंह खुडिया, के असामायिक दु:खद निधन पर गहरा भाोक व्यक्त करता है।

श्री खुडियां नौवीं लोक सभा के सदस्या चुने गए थे। उनकी हमारे दे ा एवं संविधान के प्रति गहरी आस्था थी। वे स्वभाव से सरल व समाजसेवी व्यक्ति थे। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कमरेड भांकर लाल, भूतपूर्व विधायक हरियाणा

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व विधायक, कामरेड भांकर लाल के 28 सितंबर, 1989 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

कामरेड भांकर लाल का जन्म 21 सितम्बर 1923 को गांव झांसल, जिला श्री गंगा नगर (राजस्थान) में हुआ। वह संयुक्त पंजाब में प्रजा समाजबादी दल के सदस्य तथा समाजवादी पार्टी हरियाणा के अध्यक्ष रहे। वह अपने जीवन–काल में सामाजिक एवं सार्वजनिक तकलीफों को दूर करने के लिए किए गए अन्दोलन तथा असयोग अन्दोलन में भाग लेने के कारण 30 बार जेल गए। आपात ्काल में मीसा के अन्तर्गत उन्हे 20 महीने की नजरबन्दी की यातना की सहनी पड़ी। वह 1977 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। मृत्यु के समय वह हरियाणा जनता पार्टी के अध्यक्ष थे।

उनके निधन से दे ा एक वि िाश्ट सामाजिक कार्यकर्ता व एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना करता है।

श्री कि ाोरी लाल भूतपूर्व विधायक, हरियाणा

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व विधायक, श्री कि ाोरी लाल के 23 सितम्ब 1989 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री कि ाोरी लाल का जन्म 17 अक्तूबर, 1917 को हुआ। वह व्यवसाय व्यापारी थे। वह 1953 से 1967 तक कालका नगरपालिका के सदस्य रहे इस अवधि में वह तीन वर्श तक प्रधान तथा दो वर्श तक उप–प्रधान रहे। वह 1968 से 1977 तक हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है

यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

रिजनल इंजीनियरिंग कालेज, कुरूक्षेत्र, के आठ विद्यार्थी

यह सदन रिजनल इंजीनियरिंग कालेज, कुरूक्षेत्र के आठ विद्यार्थियों के पटियाला में की गई निर्मम हत्याओं पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिंवगत छात्रों के भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के गृह मंत्री प्रो0 सम्पत सिंह की माता श्रीमति चन्दो देवी तथा श्री अनिल मोहन्ता सुपुत्र श्री सु ील मोहन्ता माहधिवक्ता, हरियाणा

यह सदन हरियाणा के गृह मंत्री, प्रो0 सम्पत सिंह, माता श्रीमति चंन्दो देवी तथा श्री अनिल मोहन्ता सुपुत्र श्री एस0सी0 मोहन्ता, महाधिवक्ता, हरियाणा के दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन इन दिवंगतों के भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है

डा0 मंगल सैन (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, कुछ महीनों के अन्तराल के बाद आज सदन मिल रहा है। परम्परा के अनुसार सदन के पहले दिन ही इस बीच में संसार यात्रा समाप्त करके जो लोग चले जाते है। उनको स्मारण किया जाता है और ऐसे महत्वपूर्ण लोगों का श्रद्धांजलि दी जाती है। उसी परम्परा को निभाते हुए हमारे सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव आज रखे है, और जिन माहनुभावों के बारे में चर्चा की है मै भी उनके बारे कुछ अर्ज करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मै निवेदन करना चाहता हूं कि इन लोगों में से कुछेक के साथ मेरे व्यक्तिगत संबंध रहे है। आदरणीय पंडित श्री राम भार्मा मेरे भाहर रोहतक के ही रहने वाले थे। उनका जन्म झज्जर जिला रोहतक में हुआ था। वे स्वतन्त्रता संग्राम में अग्रणी थे। उन्होने अपने जीवन में दोहरा दबाव सहन

किया, एक तो अंग्रेजों से और दूसरे अग्रेज परस्तो से। उन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम में भाग लेते हुए आजादी लेने की समां को जारी रखा। उनकी सेवाओं को मानते हुए ही लोगों ने दो बार उन्हे विधान सभा के लिए चुना और वे मंत्री भी रहे। अध्यक्ष महोदय, बड़े दु:ख की बात यह है कि जिस कांग्रेस के साथ उन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम में भाग लिया और जेले काटी उसी कांग्रेस से उन्हे हिन्दी आन्दोलन के समय जेल में रखा और इतना ही नही आपात काल के दौरान भी उन्हें जेल में रखा। 26 जून को जब मुझे गिरफ्तार किया गया तो जिस बस में मुझे बैठाया गया, उसी बस में श्री राम भार्मा जी मिले। मै उनके पास ही बैठा था। मैने उनसे पूछा कि पंडित जी क्या आप किसी पब्लिक मीटिग में जा रहे है तो वे कहने लगे कि पुलिस वाले जहा ने जाएगे वह चले जाएंगे चाहे ये पब्लिक मीटिंग में ले जाए या कही और ले जाए। वे बड़े निर्भीक व्यक्ति थे। हमारी पुरानी पीढ़ी कके लोग हमसे धीरे धीरे बिछुड़ते जा रहे है।वे बड़े सादा व्यक्ति थे। वे सारा जीवन बड़े सादा रहे। मै उन्हें बड़े निकट से जानता था। उन्होनें अपने जीवन काल में जितने कश्ट उठाए है

उनका जितना जिक्र किया जाए उतना ही कम है। स्पीकर साहब, यह तो नियम है कि जिसनें आना है उसने एक दिन जाना अव य ही है।

अध्यक्ष महोदय, इन भाोक प्रस्तावों में सरदार प्यारा सिंह का भी वर्णन है। वे बड़े सादा व्यक्ति थे। वे पाक्तिस्तान से

आने के बाद कुरूक्षेत्र जिले के पेहवा में रहने लगे और वही पर रहते हुए उन्होने लोगों की सेवा की और लोगों का मन जीता। वे कांग्रेस पार्टी की टिकट पर दो बार जीते और मंत्री भी बने। वे हमारे साथ ही बैठा करते थे। हम उनके साथ कई बार मजाक भी किया करते थे लेकिन दिंवगत से हुए उन मजाकों के बारे में अब हमें कुछ नही कहना चाहिए वे बड़े मिलनसार व्यक्ति थे परन्तु प्रकृति के नियमों के अनुसार वे भी संसार से चले गए है जिसका हमें बड़ा दुःख हुंआ है।

स्पीकर साहब, कुंवर विजय पाल सिंह जी जो गुड़गांव जिले के सोहना से विधायक थे और उपाध्यक्ष के आसन पर भी विराजमान रहे है, वे भी चले गए हालांकि उनकी उम्र छोटी थी। इस बात का हम बहुत ही दुःख है कि इतनी छोटी उम्र मे ही भगवान ने उनको बुला लिया।

स्पीकर साहब, कामरेड भांकर लाल जी का जन्म राजस्थान में हुआ था परन्तु उनका कार्य क्षेत्र जिला सिरसा और प्रौसर सिरसा रहा। सन् 1977 में वे जनता पार्टी के टिकट पर विधायक बने। उन्हें इस का कोई फिक नही होता था कि उनके खिलाफ कौन लड़ रहा है। उन्होंने बड़ा संघर्श करके अपना रास्ता बनाया। कई बार हम इक्ट्ठे जेल में गए और उनके साथ मैने भी जेल काटी। वे बड़ी साफ तबियत के आदमी थे। उनका भी निधन हो गया है।

स्पीकर साहब, कालका निवासी श्री कि ाोरी लाल जी का भी निधन हो गया है। उद्योगपति होते हुए भी वे जनता की सेवा में जूटे रहते थे और वे विधायक भी बने। उनके निधन से भी बहुत दुःख हुआ है।

स्पीकर साहब, इसमें एक दुःखदायी बात है जिसके बारे में मैं निवेदन करना चाहता हूं। आंतकवादियों ने रीजनल इंजीनियरिंग कालेज के 8 विद्यार्थियो को पटियाला में गोलियों से भून डाला। ये विधर्थी ि ाक्षा प्राप्त कर रहे थे एक रात आंतकवादियों ने इन छात्रो पर हमला किया जब कि ये छात्र वहां एक समारोह में भाग लैने गए हुए थे। आंतकवाद का यह सिलसिला अभी तक ज्यो का त्यों जारी है। आंतकवाद का सिलासिला पहले पंजाब में ही चल रहा था परन्तु अब यह का मीर घाटी में भी जा पहुंचा है। इन आंतकवादियों का भारत की प्रभुसता से अलग अपनी सौवरन स्टेट बनाने का मंतव्य है। ये आंतकवादी अपनी सौवरन स्टेट बनाना चाहते है। हिन्दुस्तान की जनता उनके मनसूबों को कभी भी पूरा नहीं होने देगी। केन्द्र में जब तक राश्ट्रीय मोर्चे सरकार है, मेरी पार्टी भारतीय जनता पार्टी का पूरा समर्थन उसके साथ है। यह सरकार कभी भी आंतकवादियों के मनसूबों को पूरा नही होने देगी। श्री गोबिन्द राम बहुत ही अच्छे पुलिस अफसर थे, उनको इन आंतकवादियों ने मार डाला। का मीर घाटी में भारतीय जनता पार्टी क सीनियर वाईस प्रैजीडैंट श्री टिपलू साहब की भूट कर डाला। बारमूला में

भी हमारे एक वरिश्ठ साथी का भाूट कर डाला। इस प्रकार अनेकों लोग आंतकवादियों के हाथों मौत का ि ाकार हुए। मै सदन के नेता से निवेदन करना चाहता हैं कि आंतकवादियों के हाथो से मारे गए इन लोगों के नाम भी इस भाोक प्रस्ताव में भाामिल कर लिए जाएं।

हमारे सदन के माननीय सदस्य तथा गृह मंत्री प्रोफैसर सम्पत सिंह जी की माता जी का भी निधन हो गया है और वे मातृ प्रेम से वंचित हो गए है। हमारी सहानुभूति उनके साथ है।

स्पीकर सर, इन महान् दिंवगत आत्माओं को, जिनकों इस भाोक प्रस्ताव में भाामिल किया गया है, तथा जिनका मैने जिक्र किया है मै नमस्कार करता हूं और परमापिता परमे वर से प्रार्थना करता हूं कि इन महान् आत्माओं का अपने चरणों में स्थान दे। इन भाब्दों के साथ मैं इन प्रस्ताव का अपनी और से तथा अपनी पार्टी की ओर से समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री हरनाम सिंह (ाहबाद): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव पे ा किया है मैं उस का समर्थन करता हूं। सबसे पहले मै पंडित श्री राम भार्मा का जिक्र करना चाहता हूं जिन पर सारे हरियाणा को गर्व है। वे बहुत ही महान् लोगों मे से एक थे जिन्होंने दे ा की आजादी के लिए कुर्बानियां दी। पंडित जी सारी उम्र संघर्शरत रहे। सन् 1947 तक वे भारत को स्वतन्त्र

कराने की जद्दो जहद में लगे रहे और दे ा के आजाद हो जाने के बाद वे दे ा की उन्नति के लिए लगातार काम करते रहे।

16.00 बजे

सरदार प्यारा सिंह जी मेरे साथ ही पाकिस्तान से भारत आए थे। हम दोनों एक ही स्थान जिला भोखपुरा के ननकाना साहब से आए थे और 4–5 साल के अन्तर मे हम दोनो राजनीति में आए। उन्होने दे ा की आजादी के लिए काम किया आर यहां आ कर एम0 एल0 ए0 भी बन। वे कुरूक्षेत्र जिले में पेहवा और लाडवा क्षेत्रों में जनता की सेवा करते रहे। अभी पिछले दिनों मै उनकी भाोक सभा में गया था। वहां पर काफी गरीब लोग इक्ट्ठे हुए थे। उनका गरीब लोगों क साथ बड़ा गहरा संबंध था। वे हमे ाा से ही चूंकि गरीबों के लिए काम करते थे इसलिए गरीब लोगो के सेवक के नाम से याद किए जाते रहेंगे।

कामरेड भांकर लाल समाजवादी लीडर थे। सारी जिन्दगी उन्होंने लोगों के लिए काम किया। जैसा कि अभी डाक्टर मंगल सैन जी ने कहा, वे दृढ़ नि चय के व्यक्ति थे। जहां खड़े हो गए वहां हो गए, वहां से उन्हे कोई हटा नही सकता था। अगर कोई व्यक्ति उनसे मतभेद करता था तो करे लेकिन जब वे खड़े होते थे तो खड़े ही रहते थे।

स्पीकर साहब, पटियाला में जो विद्यार्थियो का हत्याकांड हुआ है, यह सिलासिला लगतार कई सालों से चला रहा

था है। यह बड़े भार्म की बात है कि कानपुर और कुरूक्षेत्र इंजीरियरिंग कालेजो के जो बच्चे पटियाला गए थे उन्हें गोलियों का नि ाना बनाया गया। यह इंसानियत की बात नही हैं, यह गिरावट की बात है। अभी कुछ दिन पहले मैम्बर पर्लियमैंट श्री जगदेव सिंह खुडिया की हत्या किसने की है, यह तो इंक्वायरी होने पर ही पता लगेगा लेकिन जो हालात है उनके लिए वही लोग जिम्मेदार है। आज दे ा में नयी सरकार आ आई गई है। जिस सरकार का आंतकवादी विरोध किया करते थे, वह सरकार नहीं रही। अब नयी सरकार केन्द्र में आ गई है। नयी सरकार को नया रूख लेना चाहिए। आज पंजाब के अकाली लीडर्ज श्री प्रका ा सिंह बादल, श्री सिमरनजीत सिंह मान और श्री सुरजीत सिह बरनाला पर यह जिम्मेदारी आती है कि वे आंतकवादियों को ठीक रास्ते पर लायें और वे इस ठीक समय का उपयोग करें। अगर ये ठीक नहीं होगे तो पंजाब के लिए, सिखों के लिए ओर दे ा के लिए भी ठीक नहीं होगा। बहुत ही गलत होगा। पटियाला में जो नौजवान गए थे वे मां–बाप से अलग हो गए। वे किस हालात में कुरूक्षेत्र से आए थे और किस हालात में गए यह बड़े ही दुःखदायी बात है। एक परिवार की औरत ने अपने बच्चे को पाल–पोसा, पढाया और वह होनहार बच्चा अब उनके पास नही रहा, इससे बड़ी दुःखदायी बात और क्या हो सकती है?

प्रोफैसर सम्पत सिंह की मा का देहान्त हो गया, बड़ दुख की बात है। का प्यार जब चला जाता है यानी मेहर और

हमदर्दी का हाथ जब उठ जाता चाहे कितनी ही उम्र क्यों न हो, लेकिन उनका सहारा और आ ार्वाद तो होता ही है। जो आया है वह जाएगा अव य। सम्पत सिंह जी को बड़ा सदमा पहुंचा है। भगवान उन्हें इस सदमे को बरदा त करने की भाक्ति दे। इस भाब्दों साथ मैं सभी महानुभावों को श्रद्धांजली अर्पित करता हूं।

श्री किरया पुनिया (बडौदा–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, सदन नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै इसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। काफी सारे महान व्यक्ति पिछले सै ान से अब तक हमारे बीच से बिछुड़ गए हूं। कई नेताओं को मैं निजी तौर पर जानता था। पंडित श्री राम भार्मा से मेरा बचपन से ही बड़ा नजदीकी संबंध रहा है। वे बड़े सच्चे इंसान थे। उन्होंने जीवन भर गरीबों के लिए सघर्श किया, हर तरह की कुर्बानी दी। सच बात तो यह है ऐसे सच्चे इंसानों की पीढ़ी समाप्त होती जा रही है। इसी तरह से सरदार प्यारा सिंह जी भी सदन के आदरणीय सदस्य रहे और मंत्री भी रहे। उनके साथ भी मेरा काफी निजी संबंध रहा है। वे भी बड़े सच्चे इंसान थें। गरीबों के हम दर्द, हंसमुख और भोले भाले इंसान थें। हर तरह से गरीब आदमी का काम सचाई के साथ करने की कोि ा ा करते थे। इसी तरह से कंबर बिजायपाल सिंह जी के साथ भी मेरा निजी संबंध रहा है। वे इस सदन के उपाध्यक्ष भी थे। उनके साथ उपाध्यक्ष होते हुए भी संबंध रहा और उसके बाद भी काफी मिलना जुलना रहा है। वे बहुत ही हंसमुख और सच्चे इंसान थे।

वे आज हमारे बीच नही रहे बड़ा दु:ख है। कामरेड भांकर लाल जी भी आज इस दुनिया में नही रहे। वे जीवन भर सघर्श करते रहे। उन्होंने हमे ाा गरीब लोगों के लिए लड़ाई लड़ी और हर कठिनाई का मुकाबला किया। हर परे ाानी का सामना और हर मुखलिफत का सामना करते हुए सच्चाई के लिए वे लड़ते रहे और डटे रहे। वे भी हमारे बीच में नही रहे। इसी तरह से श्री कि ाोरी लाल जी इस विधान सभा में एम0 एल0 ए0 रहे। उद्योगपति होते हुए भी गरीब लोगों के हमे ाा हमदर्द रहे। वे भी हमारे बीच से बिछुड़ा गए है। इसी तरह से स्पीकर साहब, ये जो 8 विद्यार्थी इस तरह का आंतकवाद सारे दे ा के लिए भार्म की बात है। काफी सारे नौजवान छात्र वहां पर मारे गए थे। उनके लिए भी हम संवेदना प्रकट करें, यह हमारे समाज का फर्ज बनता है। इसी तरह से गृह मंत्री जी की माता जी का स्वर्गवास हो गया। उसका भी हमें बहुत अफसोस है। हम उनके प्रति भी सवेदना प्रकट करते है

स्पीकर साहब, जिस तरह से हमारे साथी डाक्टर हरनाम सिंह जी ने बात कही थी कि आंतकवाद का आजकल पंजाब मै बड़ा भारी बोल–बाला है और लगभग रोजाना ही हत्याएं हो रही है उसी तरह का वातावरण आज हरियाणा में भी ग्रीन ब्रिगेड के लोगों द्वारा पैदा किया जा चुका है।.....

Mr. Speaker: This most unbecoming. Please do not politicalise it. (Noise)

श्री किरपा राम पुनिया: स्पीकर साहब, आप मेरी पूरी बात तो सुने।

Mr. Speaker: Please take your seat now.

श्री किरपा राम पुनिया: स्पीकर साहब,.....

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

उप–मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): स्पीकर साहब, इसमे ज्यादा खेद की और कोई बात नही हो सकती। इस सदन के इतिहास में ऐसी बात कभी नही हुई। आज तक कोई कन्ट्रोवर्शियल बात कभी भी शोक–प्रस्ताव के दौरान उठाई नही गई। (शोर व व्यवधान)

श्री किरपा राम पुनिया: अध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिए सदन के नेता से यह प्रार्थना करूंगा कि जो 6 मासूम लोग इलैक्शन के दिनों में मारे गए एक तो उनके और दूसरे एक मासूम बच्चा जो दो तारीख का राजौंद में मारा गया, उसका नाम भी इस शोक प्रस्ताव में शामिल कर लिया जाए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, हम तकरीबन 4 माह के बाद आज मिल रहे है। बहुत पुरानी परम्परा के मुताबिक माननीय मुख्यमंत्री जी ने शोक प्रस्ताव रखा है। वैसे ता ईश्वर की कृपा है कि यह सूची काफी छोटी है और इस बात पर हमें संतोश करना चाहिए लेकिन कोई भी इस देश की हस्ती अगर जाती है या देश का कोई भी नुक्सान होता

है तो हमारा ही नुक्सान है। इस सूची के मुताबिक हरियाणा की कई महान विभूतियां हमसे बिछुड़ गयी है। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले कुंवर चन्द्र प्रताप नारायण सिंह का इस में जिक्र आया है। बहुत से व्यक्ति ऐसे है जिनके साथ मेरा व्यक्तिगत तौर पर ताल्लुक नही रहा। लेकिन दो महापुरूश ऐसे है जिनके साथ मुझे थोड़ा–बहुत कभी–कभार मिलने का मौका मिलता रहा है। प्यारा सिंह जी से मिलने का पिछले अर्से में मेरा सौभाग्य रहा है। चाहे वे योग्य प्र ाासक रहे हो या बहुत बड़े समाज सेवी रहे हो, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि वे एक स्वतन्त्रता सेनानी रहे है। स्वतन्त्रता सेनानी जिन्होंने आजादी की जद्दोजहद में अपना जीवन दांव पर लगाया है, उनको किन भाब्दों में अपनी श्रद्धाजलि अर्पित की जाए, मेरे ख्याल से इसके लिए उचित भाब्द भारतीय समाज के पास नही हो सकते। वे ऐसे लोग थे जिन्होंने अपना सब कुछ उस आजादी के लिए दांव पर लगा दिया जिस का हम आज उपयोग कर रहे है। मै उनको अपनी हार्दिक श्रद्धाजलि अर्पित करता हूं। इसके साथ ही हमारे माननीय गृह मंत्री जी की माता जी का जिक्र आया है। वैसे तो संसार में सबको आना–जाना पड़ता है लेकिन माता का साया सिर पर से उठ जाना एक बहुत बड़ी क्षति है और माता के प्रेम से वंचित हो जाना एक बहुत बड़ी बात है। आपने पिछले दिनों महाभारत में भी देखा होगा कि माता की कितनी भाक्ति मानी गयी है। गान्धारी ने दुर्योधन को अपने आ ीर्वाद से वंचित रखा। इसलिए अध्यक्ष महोदय, आ ीर्वाद

जीवन में बहुत आव यक है। आज हमारे गृह मन्त्री महोदय मां की ममता से वंचित हो गए है, इसका हमें हार्दिक दु:ख है।

अध्यक्ष महोदय, करनाल कांड का यहां जिक्र किया गया है। ऐसे मौके पर राजनैतिक भावना से कोई बात नही करनी चाहिए। यह बहुत छोटी बात है। लेकिन चूंकि इसका जिक्र आ चुका है इसलिए मै यह कहना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान).....
....

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, ऐसे विशय पर जिसका संबंध राजनैतिक है और जिसकी चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह चर्चा कर रहे है उसके बारे में राज्यपाल महोदय क भाशण पर डिस्क ान के समय कहा जा सकता है। इस वक्त इन बातों का कहना इसके लिए भाोभा नही देता। यह अच्छी परम्परा नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह: अध्यक्ष महोदय, आप सुन तो लीजिए। मै कोई बात नही कह रहा हूं। मै कोई ऐड्रैस की बात नही कह रहा हूं। मै तो यह कह रहा हूं कि हमें एक स्वस्थ परम्परा डालनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी आपको दो दिन गर्वनर ऐड्रेस पर मिलेगे आप जो कुछ भी कहना चाहें उस समय कहना। आप इस वक्त विशय से बाहर न जाएं। इस वक्त इन बातों को कहने का मौका नही है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै तो यह कहने जा रहा है कि हमें ऐसी परम्परा छोड़ देनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, करनाल कांड का भी यहां गवर्नर एड्रैस में जिक्र किया गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कोई चीज रिकार्ड पर आ गई है मै उसकी तरफ इ ाारा करना चाहता हूं। इस बारे में पिछली सरकार का जिक्र करना परम्परा के विरूद्ध बात है। कांग्रेस की पिछली सरकार के समय में आंतकवाद का जिक्र यहां किया गया। यह परम्परा के विरूद्ध हैै। जब हम एक स्वस्थ पराम्परा कायम करना चाहते है तो ऐसी बात नहीं करनी चाहिए वरना इस पर बहस की जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Mahender Pratap ji please go a-head.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मै वर्तमान मुख्यमंत्री महोदय के बारे में कुछ नही कहना चाहता। उनके लिए यह समय बहुत थोड़ा है। अभी तो वे आए ही है। इसके लिए अभी उन जिम्मेदारी नही डाली जा सकती। (ाोर एवं व्यवधान) लेकिन पिछली सरकार इससे बच नही सकती। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: This is not to be recorded. (Noise & interruptions)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः आप चाहें तो मेरे भाब्द कार्यवाही से निकाल दे लेकिन वे बाते भी न रखी जाए जो इन्होंने कही है।

श्री अध्यक्षः चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी आप तो बहुत पुराने लेजिस्लेटर है आपको इस मौके पर ऐसी बात नही करनी चाहिए। Please take you seat.

सिचांई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, इस बात का अफसोस है कि औबिजुअरी रैफरैन्सिज के ओकेजन पर चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जैसे माननीय सदस्य, जो बहुत ही सीनियर मैम्बर गिने जाते है, ऐसी बात कर रहे है। यह उनके लिए भाोभा की बात नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै तो कुछ नही कहता। मै तो सिर्फ इतना ही कहता हूं कि जो बातें पहले कही गई है उनको भी रिकार्ड निकाल दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Mahender Pratap ji, please take you seat.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मै तो यह कहता हूं कि यह परम्परा नही डालनी चाहिये। अगर हमारी कोई कमी है तो मै उसको भी स्वीकार करने में नही हिचकिचाता लेकिन आप उधर भी तो कहें। अगर मै कोई गल्ती करता हूं मुझे माफी मांगने में भी कोई गुरेज नही है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै अपने दल की तरफ से और अपनी तरफ से जो महानुभाव हमसे बिछुड गए है उनके प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और परमात्मा

से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनको इस दु:ख को बहन करने की भाक्ति प्रदान करे।

कामरेड हरपाल सिंह: स्पीकर साहब, कामरेड गुरचरण सिंह रन्धावा एक बहुत बड़े फीडम फाइटर थे (व्यवधान)। मेरी प्रार्थना है कि इनका नाम इस लिस्ट में जोड़ लिया जाए।

मुख्यमंत्री (चौधरी ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, ठीक है उनका तथा जनरल मोहन सिंह का नाम भी ाामिल कर लिया जाए।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण मुख्यमंत्री महोदय ने जो लोग हमसे बिछुड़ गाए उनकी एक लम्बी लिस्ट रखी है। बड़े दु:ख की बात है कि वे फ्रीडम फाइटर्ज जिन्होने दे ा के लिए जेले काटी और जिन्होंने दे ा की आजादी के लिए दिन रात काम किया, वे आहिस्ता आहिस्ता संसार से उठ रहे है। इनमें से मै ज्यादा लोगों को तो नही जानता लेकिन सरदार प्यारा सिंह मैं निजी तौर पर जानता हूं। 1962 में वे करनाल डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी प्रैजीडैन्ट हुआ करने थे। उस करनाल जिले के जिसके आज चार जिले बन है उसके वे कांग्रेस प्रैजीडैन्ट थे। सरदार प्यारा सिंह करनाल में सुबह से लेकर भााम तक लोगो के काम के लिए घूमा करते थें। सौ–सौ दो–दो सौ वर्कर्ज उनके साथ होते थे और वे एक दफतर से दूसरे दफतर और तीसरे दफतर लोगों के काम के लिये घूमा करते थे। 1972 से लेकर 1977 तक वे मेरे

साथ एम0 एल0 ए0 रहे है। उस समय गुप्ता जी मत्री होते थे और मै भी मंत्री होता था। वे कांग्रेस ने जनरल सेकेटरी होते थे। एक बात मुझे याद है और जिनको गुप्ता साहब भी आज याद करवा रहे थे। किसी ने हमारी ि ाकायत उनमें की। उन्होंनें कहा कि मै दोनों को सस्पैन्ड कर दूंगा। वे इतने तगड़े वर्कर थे कि जहां भी वे रहे उनको अपनी बात याद रहती थी।

इस तरह से मेरे एक साथी श्री कि ाोरी लाल जी भी थे। मै उन्हें कहा करता था कि लाल जी, आप बिजनैसमैन तो बहुत बड़े है लेकिन यहां पर बहुत कम आते है और बोलते भी बहुत कम है लेकिन उनके बारे मै इतना अव य कहूंगा कि वे काम खूब करते थे।

प्रोफेसर सम्पत सिंह जी की माता जी का निधन हुआ और उनका साया सम्पत सिंह जी के सिर से उठ गया यह बड़े ही दुःख की बात है।

मै कुछ दिन पहले खुड्डिया गांव श्री जगदेवसिंह खुडिया जी क अन्तिम संस्कार में भाामिल होने के लिए गया। यह तो कमी ान ने देखना है कि किन हालात में खुडियां जी की मौत हुई लेकिन वहां पर हजारों की तादाद में जो लोग इकट्ठे हुए थे, वे कह रहे थे। कि यह बहुत जुल्म हुआ है।

पटिलयाला के अन्दर जो स्टूडैन्टस का कतल हुआ, वह भी एक बड़ा जुल्म हुआ है। आज भी बहुत सारे बेगुनाह हमारे जा

रहे है जिसके लिये हम सब को बेहद दु:ख है। मतै इस दु:ख में अपने आप को भारीक करता हूं और इन सभी दिवंगत महानुभावों को अपनी श्रद्धांजली आर्पित करता हूं। मै इन हाउस की और से उनके दु:खी परिवारों को डीप सिम्पथीज पहुंचा दूगा।

अब मै हाउस से विनती करूंगा कि इन महान् आत्माओं की भाान्ति के लिये खड़े होकर दो मिनट के लिये मौन धारण करें।

(इस समय दिवंगत व्यक्तियों के सम्मान में सदन के सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट को मौन धारण किया।)

घोशणाएं–

(क) अध्यक्ष द्वारा–

(i) सदस्यो का त्याग–पत्र

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एण्ड कन्डक्ट औफ बिजनैस के रूल 58 (1) के अनुसार हाउस को इंफार्म करना है कि–

(1) Shri Raghu Yadav has resigned his seat in the Haryana Legislative Assemblyf vide his letter dated the 24th September, 1989, which has been accepted on the 4th October, 1989, and his seat, as you know has been filledf up by the cloction of Shri Ajay Singh.

(2) Shri Devi Lal has resigned his seat the Haryana Legisative Assembly vide his letter dated the 5th Decomber, 1989 and the some has been accpted from the said date.

(3) Shri Gurdial Singh has also resigned his seat in the Haryana Ligislative Assembly vide his letter dated the 13th December, 1989 and same has been accepted from the said date.

(ii) पैनल आफ चेयरमैन साहब,

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान हरियाणा विधान सभा के रूल्ज और प्रोसीजर एण्ड कण्डक्ट औफ बिजनैस के रूल 13(1) के अनुसार मै फोलोइंग मैम्बर्ज को पैनल औफ चेयरमैन में काम करने के लिये नौमिनेट करता हू–

1. श्री आत्माराम।

2. श्री कि ान सिंह सांगवान।

3. श्रीमति सुशमा स्वराज।

4. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह।

(ख) सचिव द्वारा–

(i) राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः अब सैकेटरी साहब अनाउंसमैंटस करेंगे।

Secreiary: Sir I beg to lay on the Table of the House a statement showing the bills which were passed by the Haryana Legislabive Assembly during its September Session, 1989, and have sine since been assented to by the Govenor.

Statement

(1) The Faridabad Complex (Regulation and Development) Amendment Bill, 1989.

(2) The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1989.

(3) The Punjab Medical Registration (Haryana Amendment) Bill, 1989.

(4) The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1989.

(5) The Punjab Homoeopathic Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1989.

(6) The Haryana Appropriation (No.3) Bill, 1989.

(7) The Haryana Public Libraties Bill, 1989.

(8) The Haryana Corneal Grafting (Amendment) Bill, 1989.

(9) The Haryana General Sales Tax (Second Amendment and Validation) Bill, 1989.

(ii) कांस्टिच्यू ान (62वां अमैंडमैंट) बिल 1989 की रेटिफिके ान सम्बन्धी

Secretary: Sir, I also beg to lay on the Table of the House a copy each of the follwing docukments received from the House of People regrading the ratification of the Constution (Sixty-Second Amendment) Bill, 1989.

(i) Letter dated the 27th December, 1989 received from the Secreatary-General Lok Sabha, New Delhi,

(ii) The Constituion (Sexty-Second Amendment) Bill, 1989 (English and Hindi versions), as introduced in the Council of States.

(iii) The Constitution (Sexty-second Amendment) Bill, 1989 (English and Hindi versions), as passed by the two Houses of Parliament,

(iv) Lok Sabha Debate on the Constitution (Sexty-second Amendment) Bill, 1989, and

(v) Rajya Sabha Debate on the Constitution (Sexty-second Amendment) Bill, 1989.

बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे । करना

श्री अध्यक्षः अब मै बिजनैस के बारे में बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाइम टेबल रिपोर्ट करता हूं—

The Committee mat at 10.00 A.M on Monday, the 15th January, 1990 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in session, shall meet on Monday, at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. on Tuesday at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. and Wednesday at 9.30 A.M. and adjourn after the conclusion of the Business entered in the list of Business for the day with-out question being put. However, on Monday, the 15th January, 1989. the Assembly Shall meet immediately half an hour after the concluseon of the Governor's Address without question being put,

The Committee after some discussion also recommends that the business on 15th January to 17th January, 1990, be transacted by the Sabha as follows:-

The House will meet immediately half an hour after the conclusion of Governor's address on the 15th January 1989	1.	Laying a copy of the Governor's Address on the Table of the House.
	2.	Obituary References.
	3.	Presentation and adoption of the First Report of the Business Advisory Committee.
	4.	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	5.	Presentation of Five Preliminary Reports of the

		Committee of Privileges and extension of time for presentation of the flnal Reports thereon.
Turesday, the 16th January, 1990 (9.30 A.M.)	1.	Questions Hour.
	2.	Motion under Rule 22(2).
	3.	Official Resolution-Constition (Sicty- second Amendment) Bill 1989-Ratifcation thereof.
	4.	Discussion on Governor's Address.
Wednesday, the 17th January 1990 (9.30 A.M.)	1.	Question Hour.
	2.	Motion under Rule 15 regarding Non-stop sitting.
	3.	Motion under Rule 16 regarding Adjournment of teh Sabha Sine-die.
	4.	Resumption of discussion on the Govrnor's Address and Vothing on Motion of

		Thanks.
	5.	Legislative Business.
	6.	Any other Business",

अब पार्लियामैटरी अफेयर्ज मिनिस्टर प्रस्ताव करेंगे कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ाज से सहमति प्रकट करता है।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh): Sir, I beg to move-

That the House agrees with the recommendations contaied in the First Report of the Business Advisory Committee.

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ांज से सहमति प्रकट करता हूं।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ांज से सहमति प्रकट करता हूं।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

राज्यपाल के अभिभाशण के दौरान हुए विध्न पर अफसोस प्रकट करना

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, आज 2.00 बजे हमारे महामहिमा गवर्नर साहब ने इस साल का पहला सै ान सै ान होने के उपलक्ष में अपना अभिभाशण पढ़ा। जब गवर्नर साहब अपना अभिभाशण पढ़ने के लिए खड़े हुए तो उस समय हमारे हाउस के बहुत ही सीनियर माननीय सदस्यों ने उनके अभिभाशण में विघ्न डाला। सभी माननीय सदस्यों को पता है कि हमारे संविधान में गवर्नर का पद रखा गया है और गवर्नर साहब हाउस के सभी माननीय सदस्यों की तरफ से इस बात में पात्र है कि उनको मान सम्मान मिले। उस समय माननीय सदस्यों ने जो व्यवहार किया वह कोई अच्छी परम्परा नही थी। मै उम्मीद करता हूं कि वे माननीय सदस्य आर्यदा उस किस्म की बातों से बचेंगे जिनसे गवर्नर साहब को यह सर्वविदित था कि कल ही गवर्नर साहब के अभिभाशण पर चर्चा भाुरू होनी है और उस समय स्पीकर साहब की तरफ में माननीय सदस्यों को अपनी बात कहने का पूरा मौका मिलना था। वे जो कुछ भी उस समय अपनी बात कहना चाहते, उसके लियै उनका पूरा मौका मिलना था। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को यह कहना चाहता हूं कि वे आयंदा इस प्रकार की कोई बात न कहें जिससे गवर्नर साहब के मान स्समान में कोई फर्क आए। गवर्नर साहब को जो इनकनाविनियंस हुई उसके लिये हमें बड़ा अफसोस है। (ाोर)

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, हमारे पालियामैट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने एक बात कही है कि हमने गवर्नर साहब की भाान के खिलाफ बात कही है लेकिन हमने गवर्नर साहब की भाान के खिलाफ ऐसी कोई बात नही कही और न ही हमारा इस तरह का कोई मं ाा था। हमने सिर्फ यह कहा..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः उस समय जो आपने कहा, वह हमने सुन लिया। Please nothing more.

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, गवर्नर साहब प्रजातन्त्र की जिस प्रणाली के तहत यहां हाउस में आए थे उसको खत्म किया जा रहा है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपकी बात आ गई है। अब आप बैठिए।

Dr. Mangal Sein: Mr. Speaker, I am extermely sorry as i was a bit late in the morning today. लेकिन मुझे पता लगा कि गवर्नर साहब को अपना अभिभाशण पढ़ते समय इन्ट्रप्ट किया गया। यह बहुत ही बुरी बात हुई। स्पीकर साहब, माननीय सदस्य प्रजातन्त्र की दुहाई दे रहे है। मैं इन्हें यह बात कहना चाहता हूं और यह बात ठीक है कि इनको विधान सभा का सदस्य बनते ही मंत्री बनने का मौका मिल गया। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य से यह पूछना चाहता हूं कि आपने जो कुछ किया, क्या वह लोकतन्त्र की हत्या नही है? आपने ही लोकन्त्र की

हत्या की है, जनता का अपमान किया है आपने जो कुछ किया, उस बारे में आप ही बता दें कि लोकतन्त्र की हत्या किसने की ह और जनता का अपमान किसने किया है? उस बारे में आप अपनी बात कह दें, हम उसको सुन लेंगे।

Mr. Speaker: Nothing more on the subject now. Let us proceed further.

सदन की मेज पुनः रखे गए/रखे गए कागज–पत्र

श्री अध्यक्षः अब एक मिनिस्टर साहब टेबल ऑफ दि हाउस पर पेपर री ले/ले करेंगे।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh): Sir, I beg re- lay on the table-

1. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 35/Const,/Art. 320/Amend (1)89, dated the 3rd April, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

2. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 36/Const,/Art. 320/Amend (2)89, dated the 10th April, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

3. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 44/Const,/Art. 320/Amend (3)89, dated the 10th may, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

4. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 68/Const,/Art. 320/Amend (3)89, dated the 21st August, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

5. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 73/Const,/Art. 320/Amend (5)89, dated the 5th September, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

6. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 48/H.A. 3/70/S. 8&9/89, dated the 3rd April, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

7. Excise and Taxation Department Notfication No. G.S.R. 38/H.A. 20/73/S. 64/89, dated the 19th April, 1989 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment)

Rules, 1989 as reqiored under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

8. Excise and Taxation Department Notfication No. G.S.R. 46/H.A. 20/73/S. 64/89, dated the 17th May, 1989 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1989 as reqiored under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

9. Excise and Taxation Department Notfication No. G.S.R. 66/H.A. 20/73/S. 64/89, dated the 25th July, 1989 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1989 as reqiored under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

10. The Medical Education and Health Department Notfication No. G.S.R. 97/H. 21/73/S. 3/88, dated the 8th December, 1988 regarding the Haryana Medical Education Service Rules, 1988, asf requiered under Sub-section 3 of Section 3 of Medical College, Rohtak (Conditions of Service of Teachers) Act, 1986.

Sir, I also beg to lay on the Table.

11. Excise and Taxation Department Notfication No. G.S.R. 75/H.A. 2073/S. 64/89, dated the 19th September, 1989 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1989 as reqiored under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

12. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 79/Const,/Art. 320/Amend (5)89, dated the 29h September, 1989 regarding

the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

13. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 86/Const,/Art. 320/Amend (7)89, dated the 6th November, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

14. The General Addministration Department (General Services) Nothification No. G.S.R. 92/Const,/Art. 320/Amend (8)89, dated the 20th December, 1989 regarding the Haryana public Service Commission (Limitation off Functions) First Amendment Regulations, 1989, as required under Article 320(5) of the Constutions of India.

15. The Revenue Department Nothification No. G.S.R. 88/H.N. 9/89/S.23/89 dated the 10th November, 1989 regarding the Haryana Relief of Agricuature Indebtedness Rules, 1989 as required under Section 23(3) of the Haryana Relief of Agricultral Indbtedness Act, 1989

16. The Annual Financial Statement of the Haryana State Electricity Board for the year 1989-90 and revised Estimates. for the year 1988-89 as required under Section 61(3) of the Electricity (Supply) Act, 1948

17. (i) The Finance Accunts the Government of Haryana for the year 1987-88 in pursuance of the provisions of fClause (2) of Artcle 151 of the Constitution of India.

(ii) The Appropriation Accounts of Government of Haryana for the year 1987-88 in pursunce of the provisions of Clause (2) of Aricle 151 of the Constitution of India.

(ii) The Report of Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31th March, 1988 No.3 of 1989 (Civil) of the Government of Haryana in pursuance of the Provisions of Clause(2) of Article 151 of the consideration of India,

वि ोशधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री हजारी लाल, पुलिस उपाधीक्षक, जीन्द के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब श्री भगवान सहाय राबतए एम0 एल0 ए0 चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी 12 सितम्बर 1987 को श्री हजारी लाल, डिप्टी सुप्रिन्टैडैट पुलिस जीन्द द्वारा टेलीफोन पर श्री डी0 डी0 मंत्री तथा हाउस के अगेस्ट मोस्ट डैरोगेटरी इंसल्टिंग एण्ड कंटेम्पचुअस लैग्वेज प्रयोग करने सम्बन्धी अभिकथित वि ोशाधिकार भंग करने के प्र न के इ ा पर कमेटी का सिक्सथ प्रिंलिमिनरी रिपार्ट प्रैजैन्ट करेंगे तथा टाईम ऐक्सटैन् ान के लिए मो ान मूव करेंगे।

Shri Bhagwan Sahai Rawat (Chairman Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Sixth Preliminary Repor of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach oif privilege against Shri Hazari Lal, Deputy Superintendent of Police,Jind in respect of his using

most derogatory, insuling and contement-uous language against Shri D.D Attri, M.L.A and the House on 12-9-1989 on phone

Sir, i beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्र न है–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) श्री इन्द्र सिंह नैन तथा श्री भले राम भूतपूर्व एम0 एल0 एज0 के विरूद्ध

श्री अध्यक्ष: अब श्री भगवान सहाय, एम0 एल0 ए0 चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी श्री इन्द्र सिंह नैन और भेल राम, ऐक्स एम0 एल0 एज0 द्वारा 21 दिस्बर, 1987 को सै ान में

उपस्थिति होने के लिए हरियाणा विधान सभी की ओर आते समय माननीय चौधरी देवी लाल, उस समय के मुख्यमंत्री तथा सर्वश्री वासुदेव भार्मा, मांगे राम तथा धीरपाल, एम0 एल0 एज0 को रोकने तथा हाथपाई करने सम्बन्धि अभिकथित वि ोशाधिकतर भंग करने के प्र न संबंधि मामले पर समिति की फिफथ प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैन्ट करेंगे तथा टाईम एक्सटैन् ान के लिए मो ान मूव करेंगे।

Shri Bhagwan Sahai Rawat (Chairman Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privileges against Shri Inder Singh Nain and Shri Bhalle Ram, Ex M.L.As. in regard to the obstruction and manhanding of (the then) Hon'ble Chief Minister and Sarvshri Vasudev Sharma. Mange Ram and Dhir Pal, M.L.A. while they were coming towards the Haryana Vidhan Sabha to attend the Session on 21st December, 1987.

Sir, I also beg to move-

That the time for me presenation of the final Report to the House be extended upto the first siting of next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह(मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, इस मामले में प्रिविलेज कमेटी अपनी फाईनल रिपोर्ट देने के लिए विधान सभा के तकरीबन पांच छः सै ान्ज की सिटिग्ज में टाईम ऐक्सटैन्ड करवा चुकी है। मै आपके जरिए जानना चाहता हूं कि अब यह कार्यवाही कहां तक पहुंच चुकी है। वैसे भी भले राम जी उस दिन यहां नही थे। उस दिन उनके चाचा की डैथ हो गई थी जिसकी वजह से वे गांव में थे और जेल के रिकार्ड में भी उस दिन वे वहा पर मौजूद नही थे? इसलिये मै इसका कारण जानना चहाता हूं कि इस मामले को इतने दिनों से क्यों पैडिग रखा हुआ है? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: please do not go upto that extent and say anything about the merits of the case at theis stage. The matter is yet to be gone into by the Committee Besides. the reasns for asking extension in time have been given in the Report P;ease take your seat.

श्री राम बिलास भार्मा:(महेन्द्रगढ़): अध्यक्ष महोदय, आज प्रारम्भ से ही कुछ ऐसी बात हो रही है, जो होनी नही चाहिये। जो बड़े पढे–लिखे सदस्य है, वे ही गलत बात कर रहे है। स्पीकर साहब, सदन की कुछ मर्यादाये होती है। It is an august House which represents the people of Haryana. भाई महेन्द्र प्रताप जी पुराने लैजिस्लेटर है क्यौकि वे पिछले कई सालों से इस सदन के सदस्य है लेकिन वे आज समय के अनुसार बात नही करे रहे है। जब भाोक प्रस्ताव आया तो उन्होंने माननीय राज्यपाल के

अभिभाशण के बारे में चर्चा भाुंरू कर दी और अब प्रिविलेज मो ान के बारे में जब कमेटी फाइर्नल रिपोर्ट देने के लिये समय की ऐक्सटेन् ान मांग रही है ता भी बोल रहे है। It is a specific report and the Chairman of the Committee has moved a specific motion asking for extension in time presenting the final report. स्पीकर साहब, ये प्रिविलेज इ ाूज कोई छोटे मामले नही है। पहला प्रिविलेज इ ा भाई दुर्गादत मंत्री जी की ि ाकायत पर बेस्ड है। वे इस सदन के सदस्य है। वे चाहे किसी भी विचारधारा से सम्बन्ध रखते हो लेकिन उनकी मान–हानि हुई है और यह महान सदन इस पर चिन्ता व्यक्त करता है। दूसरा मामला उस समय के मुख्यमंत्री चौधरी देवी लाल, तथा सर्वश्री वासुदेव भार्मा मांगे राम तथा धीरपाल जी के सै ान अटैन्ड करने मे रूकावट पैदा करने से सम्बन्धित है जो कि एक गम्भीर बात है लेकिन इस पर भी इन्होंने बोलना भाुरू कर दिया। एक और प्रिविलेज इ ा सर्वश्री योगे ा चन्द्र भार्मा तथा सुरेन्द्र कुमार मदान, जो इस सदन के माननीय सदस्य है से सम्बन्धित है। इसी तरह से जो दूसरे मामले है वे भी बहुत महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष महोदय, मै गुजारि ा करूंगा कि इन पर इस तरह से चर्चा करना महत्व को कम करना है जो कि इच्छा बात नही।

श्री अध्यक्ष: प्र न है–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नेक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iii) साप्ताहिक योग के सम्पादक, मुद्रक तथा प्रका ाक श्री डी0 आर0 चौधरी के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब श्री भगवान सहाय रावत, एम0 एल0 ए0 चैयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी 26 अगस्त, 1988 को श्री डी0 आर0 चौधरी ऐडीटर, प्रिंटर एण्ड पब्लि ार ऑफ दि वीकली पींग द्वारा आनरेबल मैम्बर्ज ऑफ दि हाउस एण्ड डिप्टी चीफ मिनिस्टर थी बी0 डी0 गुप्ता के अगेन्स्ट सीरियस ऐलीगे ांज ऑफ करप ान एण्उ यूजिंग बेरी डैरोगेटरी लैग्वेज के इ ू पर कमेटी की थडे प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैन्ट करेंगे टाईम ऐक्सटैन् ान के लिये मो ान मूव करेंगे।

Shri Bhagwan Sahai Rawat (Chairman Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the quistion off alegod breach of privileage against Shri D.R. Chaudhry, Editor Printer and Publisher of the Weekly Peeng in regard to publishing libellous matters in its issue dated 26-8-1988, making serious allegations of corruption and using very derogatory language against the Hon'ble Members of this House and the Deputy Chief Minister Shri B.D. Gupta.

Sir, I also beg to move-

That the time the presention of the final Report to the House be cxended upto the first sitting of next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नेक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नेक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iv) चण्डीगढ़ पुलिस के सर्वश्री परमजीत सिंह, हैड कांस्टेबल ट्रैफिक तथा सुरजीत निंह कांस्टेबल के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब श्री भगवान सहाय रावत, एम0 एल0 ए0 चैयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी 10 मार्च, 1989 को विधान सभा के सै ान का अटैन्ड करने के साथ मिसबिहेवियर करने तथा उन्हें रोकने के लिए चण्ड़ीगढ़ पुलिस के सर्वश्री परमजीत सिंह हैड कांस्टेबल ट्रैफिक और सुरजीत सिंह, कांस्टेबल, के विरूद अभिकथित वि ोशधिकार भंग करने के प्र न के इ ू पर कमेटी

की सैकण्ड प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैन्ट करेंगे तथा टाईम ऐक्सटैन् ान के लिए मो ान मूव करेंगे।

Shri Bhagwan Sahai Rawat (Chairman, Committee of Privileges) Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privileges against Sarvshri Paramit Singh Head Constble Traffic and Surjit Singh, Constable of Chandigarh Police in regard tof misbehaviour and obstructing Savshri Yogesh Chand Sharma and Surinder Kumar Madan M.L.As. while they were coming to attend the Haryana Vidhan Sabha Session on the 10th March 1989

Sir, i beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्र न है–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(v) श्री रघु यादव एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध (अब भूतपूर्व एम0 एल0 ए0)

श्री अध्यक्षः अब श्री भगवान सहाय रावत, एम0 एल0 ए0 चैयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी, 12 मार्च, 1989 को श्री रघु यादव, एम0 एल0 ए0 (अब भूतपूर्व एम0 एल0 ए0) द्वारा डेली नै ानल हैरल्ड में प्रैस स्टैटमैंट देकर स्पीकर की इम्पि ाऐलिटी पर रिफलैक ान डालने के इ ू पर कमेटी की सैकंड प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैन्ट करेंगे तथा टाईम ऐक्सटैन् ान के लिए मो ान मूव करेंगें।

Shri Bhagwan Sahai Rawat (Chirman Priviliges Committle): Sir I beg to present the Second Priliminary Repot the Committee of privilegesd with regard to the question of alleged breach of privileage against Shri Raghu Yadav, M.L.A. (Now Ex-M.L.A.) in regard to the press statement given by him, published in the Daily National Herald dated 12-3-1989 Casting reflections on the impartiality of the Hon'ble Speaker.

Sir, i beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने कै लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने कै लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल सुबह साढ़े नौ बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

16.49 बजे

(तत्प चात सदन मंगलवार 16 जनवरी 1990 प्रातः 9.30 बजे तक स्थगित हुआ)